

न्यूज | ब्रीफ

दुर्गा पूजा को लेकर गांडेय, अहिल्यापुर व ताराटांड पुलिस अलर्ट, पंडालों का लिया जायजा



राजु मंडल रफ़्तार मीडिया गांडेय

गांडेय: दुर्गा पूजा में विधि-व्यवस्था और शांति बनाए रखने को लेकर गांडेय, अहिल्यापुर व ताराटांड पुलिस अलर्ट मोड पर है। गांडेय थाना प्रभारी आनंद प्रकाश सिंह, अहिल्यापुर थाना प्रभारी ऐनुल हक खान तथा ताराटांड थाना प्रभारी बुधेश्वर उरांव ने दल-बल के साथ विभिन्न पूजा पंडालों का भौतिक सत्यापन किया।

अधिकारियों ने पूजा कमेटियों को पंडालों में सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन यंत्र, पर्याप्त रोशनी, आपातकालीन निकास और भीड़ नियंत्रण हेतु स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। थाना प्रभारियों ने दो टूक कहा कि हुड़दंगियों और अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की गई है।

मांडर के सकरा गांव में 28 वर्षीय महिला की मौत, जांच में जुटी पुलिस

रफ़्तार संवाददाता मांडर।

मांडर थाना क्षेत्र के सकरा गांव में शनिवार रात 28 वर्षीय नेहा देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार सुबह घर के बंद कमरे में उनका शव मिलने के बाद परिजनों ने मांडर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेज दिया। घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोलकाता हादसे के बाद चित्तरंजन पुलिस सतर्क: थाना प्रभारी इस्माइल अली ने किया दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम: कोलकाता के चोरबागान में दुर्गा पूजा पंडाल से जुड़े हादसे के बाद चित्तरंजन पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में चित्तरंजन थाना प्रभारी इस्माइल अली ने पुलिस टीम के साथ विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंडालों की सीढ़ियों, रैंप, प्रवेश व निकास मार्गों और अस्थायी ढांचों की मजबूती की बारीकी से जांच की। थाना प्रभारी ने पूजा समितियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए भीड़ नियंत्रण और अनुशासन पर विशेष ध्यान दें ताकि भगदड़ जैसी किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। जहां जरूरी पाया गया, वहां सीढ़ियों के संचालन के लिए उचित निर्देश भी दिए गए। पुलिस प्रशासन की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई का उद्देश्य उत्सव के दौरान शांतिपूर्ण, अनुशासित और सुरक्षित माहौल बनाए रखना है, ताकि हर श्रद्धालु सुरक्षित तरीके से मां दुर्गा के दर्शन कर सके।

आरपीएफ एसीएस सोमनाथ चक्रवर्ती ने महासप्तमी पर पेश की मिसाल: 250 जरूरतमंदों को बांटे नए कपड़े और चिकन बिरयानी



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम: दुर्गापूजा के उत्सवी माहौल में जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने की अनूठी मिसाल पेश करते हुए आरपीएफ चित्तरंजन के असिस्टेंट सिक्स्योरिटी कमिश्नर सोमनाथ चक्रवर्ती ने महासप्तमी पर सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। केसिया एवेन्यू स्थित अपने आवास पर उन्होंने पत्नी इता चक्रवर्ती के साथ मिलकर करीब 250 जरूरतमंद लोगों को नए कपड़े और चिकन बिरयानी बांटी। पिछले तीन वर्षों से लगातार चली आ रही इस पहल का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को दुर्गापूजा की खुशियों में शामिल करना है। चक्रवर्ती दंपती का मानना है कि त्योहारों की असली सार्थकता समाज के हर वर्ग के साथ खुशियां बांटने में है। इस मानवीय पहल से जरूरतमंद परिवारों ने पर्व का आनंद लिया, जो सामाजिक सहयोग और संवेदनशीलता की एक प्रेरणादायक मिसाल है।

मंगलम सिटी के पास ट्रेलर की चपेट में आई महिला की मौत, मुआवजे की मांग पर परिजनों ने जताया विरोध



महाअष्टमी पर मां छिन्नमस्तिका के दरबार पहुंचे भाजपा प्रदेश सह प्रभारी सौदान सिंह

पार्टी नेताओं ने किया भव्य स्वागत



आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ़्तार मीडिया

रजरम्पा (रामगढ़)। शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी के पावन अवसर पर 18 अक्टूबर 2026 को भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के सह प्रभारी सौदान सिंह रजरम्पा स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मां भगवती की विधिवत पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

सौदान सिंह के रजरम्पा मंदिर पहुंचने पर भाजपा रामगढ़ जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बावला

के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री जागेश्वर प्रजापति और सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी ने गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। मंदिर परिसर में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से उत्साह का माहौल रहा।

महाअष्टमी के अवसर पर मां छिन्नमस्तिका मंदिर में श्रद्धालुओं की विशेष आस्था देखने को मिली। नवरात्र के इस पावन पर्व पर श्रद्धालु मां भगवती की पूजा-अर्चना कर

अपने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश सह प्रभारी सौदान सिंह ने भी मां के दरबार में मत्था टेका और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की।

भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की रही उपस्थिति स्वागत कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रसाद, पूर्व विधायक बिरंजी नारायण, राजू चतुर्वेदी, राजीव जायसवाल, परमेश्वर केसरी, प्रकाश केसरी, छोटन प्रजापति, बबलू साहब, चंद्रशेखर चौधरी, संतोष

कुशवाहा, जितेंद्र प्रसाद साहू, निरंजन प्रसाद, रूपा साहू, गणेश प्रसाद, मनोज महतो, मनोज अगरिया, रीति श्रीवास्तव और अर्जुन प्रसाद सहित दर्जनों भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सौदान सिंह का स्वागत करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। महाअष्टमी के पावन अवसर पर रजरम्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला।

उसे मृत घोषित कर दिया।मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 10 बजे आदित्यपुर थाना की पुलिस टीम घायल महिला को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गम्हरिया पहुंची थी। बताया जाता है कि मंगलम सिटी के पास ट्रेलर संख्या JH05DJ5335 की चपेट में आने से महिला दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे के बाद उसे बचाकर अस्पताल ले जाया

गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतका की पहचान बुधनी हांसदा के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में शोक का माहौल है। परिजनों के अनुसार, दुर्घटना में शामिल ट्रेलर को पुलिस ने पकड़ लिया है। वहीं, मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों ने अपना विरोध भी जताया है।घटना के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ गई है।

चित्तरंजन में देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम की थीम पर सजा एरिया-8 का दुर्गापूजा पंडाल



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम: चित्तरंजन रेलनगरी के एरिया-8 में इस वर्ष दुर्गापूजा के अवसर पर देवघर के प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम की थीम पर बना भव्य पंडाल श्रद्धालुओं के विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। लगभग पांच लाख रुपये के बजट से तैयार इस पंडाल में थर्मोकोल की मदद से बाबा बैद्यनाथ मंदिर की वास्तुकला को बहुत बारीकी से उकेरा गया था। पंडाल में जंसीडीह रेलवे स्टेशन, कांवड़ यात्रा और शिवलिंग पर जलाभिषेक के मनोरम दृश्यों को बेहद कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को देवघर की धार्मिक यात्रा

का सजीव अनुभव मिला। मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा ने इस आयोजन की भव्यता में चार चांद लगा दिए। महासप्तमी के दिन आयोजित भव्य जागरण इस उत्सव का मुख्य आकर्षण रहा, जहाँ भक्ति गीतों की धुन पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। एरिया-8 दुर्गापूजा समिति के सेक्रेटरी राम शंकर कुमार, ट्रेजरर कल्याण प्रामाणिक, वाइस वाईन राजेंद्र कुमार, वाइस प्रेसिडेंट राहुल कुमार और आमोद कुमार सहित सभी सदस्यों के सक्रिय सहयोग से यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मांडर-चान्हो में महाअष्टमी पर मां महागौरी की पूजा-अर्चना, मंदिरों और पंडालों में उमड़े श्रद्धालु

रफ़्तार संवाददाता मांडर/ चान्हो।

शारदीय नवरात्र के आठवें दिन रविवार को मांडर और चान्हो प्रखंड क्षेत्र में महाअष्टमी का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। भक्तों ने मां के पिंडी स्वरूप की पूजा कर चुनरी चढ़ाई और खोड़छा भरकर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मांडर, सोसई, ब्राब्वे, मुड़मा, खुखारसेल, टीको, चोरेया, बीजूपाड़ा, चान्हो, सोंस और ओपा सहित विभिन्न गांवों के देवी मंदिरों में सुबह से ही पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी रहा। श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ मां के दरबार में पहुंचे और विधिवत पूजा कर अपनी मनोकामनाएं मांगीं। मंदिरों



में बजते घंटे-घड़ियाल, शंखध्वनि और मां दुर्गा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा। महाअष्टमी के अवसर पर दुर्गा पूजा पंडालों में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। आकर्षक ढंग से सजाए गए पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन और पूजन के लिए श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई। सुबह से ही महिला, पुरुष और बच्चों सहित बड़ी संख्या में भक्त पूजा पंडालों में पहुंचते रहे। श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और क्षेत्र में सुख-शांति तथा समृद्धि की कामना की।

नवरात्र के आठवें दिन मां महागौरी की आराधना का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि मां महागौरी की पूजा करने से भक्तों के कष्ट दूर होते हैं और जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि आती है। इसी आस्था के साथ मांडर और चान्हो क्षेत्र के श्रद्धालु मां की भक्ति में लीन नजर आए। महाअष्टमी के अवसर पर मंदिरों और पूजा पंडालों में उत्साह का माहौल रहा। श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के बीच पूरा मांडर-चान्हो क्षेत्र मां दुर्गा की आराधना में सराबोर दिखाई दिया।

छप्पन सेट दुर्गा पूजा समिति मे कोलकाता हादसे के मृतकों की स्मृति में एक मिनट का मौन

सौरभ राय/रफ़्तार मीडिया

रांची: राजधानी रांची के छप्पन सेट दुर्गा पूजा पंडाल में महाअष्टमी के अवसर पर महाआरती के बाद ग्वालियर, कोलकाता और तेलंगाना में हुए हादसों में जान गंवाने वाले लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, छप्पन सेट की ओर से आयोजित इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मृतकों की स्मृति में कैंडल जलाए गए। समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में श्रद्धालुओं और समिति के सदस्यों ने एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।इस दौरान मध्य



प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए सड़क हादसे, कोलकाता के चोरबागान पूजा पंडाल में हुई भगदड़ तथा तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के नादरगुल स्थित एमवीएसआर इंजीनियरिंग कॉलेज में डाडिया कार्यक्रम के दौरान हुए हादसे में जान गंवाने वालों को याद किया गया। उपस्थित लोगों ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति

संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने कहा कि ग्वालियर, कोलकाता और तेलंगाना में हुई घटनाएं अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक हैं। इन हादसों में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

अवैध कोयला तस्करी पर नकेल: सीआईएसएफ ने रातभर चलाया सघन चेकिंग अभियान, 100 से अधिक जवान रहे तैनात

- फुलवासिया साइडिंग के गोलीटांड चेक पोस्ट पर रात 10 से सुबह 5 बजे तक हुई कड़ी नाकेबंदी।
- कोयला लदे और खाली वाहनों के कागजात खंगाले, तस्करी में मचा हड़कंप।

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता

खलारी: सीसीएल एनके, पिपरवार और मागध-आम्रपाली प्रक्षेत्र में अवैध कोयला खनन और तस्करी के खिलाफ केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सख्त रुख अख्तिवार कर लिया है। कमांडेंट अमित कुमार के दिशा-निर्देश



पर सुरक्षा बलों ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक बड़े पैमाने पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया।

उप कमांडेंट दिनेश कुमार के नेतृत्व में मागध क्षेत्र स्थित फुलवासिया साइडिंग के समीप

गोलीटांड चेक पोस्ट पर विशेष नाकेबंदी की गई। इस संयुक्त अभियान में सीआईएसएफ के 100 से अधिक जवानों ने मोर्चा संभाला। 17 अक्टूबर की रात 10:15 बजे से लेकर 18 अक्टूबर की सुबह 5:15 बजे तक चले

इस सात घंटे के सघन तलाशी अभियान के दौरान चेक पोस्ट से गुजरने वाले सभी कोयला लदे और खाली वाहनों को रोककर उनके कागजातों और रूट की गहन जांच की गई। जांच के दौरान सहायक कमांडेंट सुभाष कुमार, निरीक्षक

राजीव शर्मा, निरीक्षक आर. के. सिंह सहित कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, इस दौरान जांचे गए वाहनों में कोई अनियमितता नहीं मिली।

गौरतलब है कि एक दिन पहले भी इसी इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान कोयला तस्करी में लिप्त कुछ वाहनों को जब्त किया गया था। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है। सीआईएसएफ अधिकारियों ने साफ किया है कि संवेदनशील इलाकों में यह अभियान लगातार जारी रहेगा और कोयला तस्करी में लिप्त तत्वों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुर्गा अष्टमी पर महाआरती में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

रफ्तार मीडिया संवाददाता

राजधनवार: शारदीय नवरात्र की दुर्गा अष्टमी के अवसर पर रविवार को राजधनवार सार्वजनिक दुर्गा मंडप में दुर्गा पूजा महासमिति, राजधनवार की ओर से भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। देर शाम आयोजित महाआरती में मां दुर्गा के दर्शन और आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरा मंडप परिसर भक्तिमय माहौल से गुंज उठा।

महाआरती के दौरान पुरोहित और मुख्य यजमान के साथ



बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर मां दुर्गा की आरती उतारी और पूरे श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ माता की आराधना की। दीपों की रोशनी और भक्तिमय वातावरण ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक

रंग में रंग दिया। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। महाअष्टमी के अवसर पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ से राजधनवार में दुर्गा पूजा का उत्साह देखते ही बन रहा था।

संत कबीर सेवा संस्थान ने पौधे भेंट कर मनाया हरियाली दशहरा

आठवें वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश

- सीआरपीएफ 134वीं बटालियन के जवानों को पौधे देकर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

रफ्तार मीडिया संवाददाता

सरायकेला: संत कबीर सेवा संस्थान की ओर से हरियाली दशहरा के आठवें वर्ष के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के सम्मान में विशेष पहल की गई। इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय भारत ने सीआरपीएफ 134वीं बटालियन, दुर्गाी पहुंचकर एडिशनल डिप्टी कमांडेंट कुलवंत सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें पौधे भेंट किए।इस पहल के माध्यम से संस्थान ने पर्यावरण संरक्षण



के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जवानों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। डॉ. दिग्विजय भारत ने जवानों के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और सुखमय जीवन की मंगलकामना करते हुए प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया।संस्थान की ओर से लगातार आठवें वर्ष हरियाली

दशहरा मनाने की इस पहल को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और देश की सेवा में समर्पित जवानों के प्रति सम्मान एवं सद्भावना के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।इस अवसर पर संत कबीर सेवा संस्थान के जिला समन्वयक सह शिक्षक अमित कुमार, मनोरंज महतो और मानस दास उपस्थित रहे।

चमारू दुर्गा पूजा में महाअष्टमी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

4 से 5 हजार महिलाओं ने की पूजा-अर्चना

- 2004 से आयोजित हो रही है पूजा, आसपास के दर्जनों गांवों की महिलाएं पहुंचीं मां के दरबार में

रफ्तार मीडिया संवाददाता

सरायकेला: सरायकेला-खरसावां जिले के चमारू पंचायत स्थित चमारू गांव में महाअष्टमी के अवसर पर श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से आयोजित दुर्गा पूजा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मां दुर्गा के दर्शन और



पूजा-अर्चना के लिए आसपास के दर्जनों गांवों से महिलाओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।बताया जाता है कि चमारू गांव में श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी की ओर से वर्ष 2004 से लगातार दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले आसपास के क्षेत्रों में दुर्गा पूजा की व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीण महिलाओं को पूजा-अर्चना

के लिए दूर-दराज के गांवों में जाना पड़ता था। चमारू में पूजा शुरू होने के बाद आसपास के ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में मां दुर्गा की आराधना करने का अवसर मिलने लगा है।इस संबंध में कमेटी के अध्यक्ष दीपक महतो ने बताया कि महाअष्टमी के दिन लगभग चार से पांच हजार महिलाओं ने मां दुर्गा के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

सरायकेला-राजनगर सड़क पर धूल प्रदूषण से ग्रामीण बेहाल

खाना-पानी हो रहा दूषित

- उपायुक्त को आवेदन सौंपकर लगाई गुहार, दिन में तीन बार पानी छिड़काव और जल्द सड़क निर्माण की मांग, बाईपास बनाने का भी दिया सुझाव

रफ्तार मीडिया संवाददाता

सरायकेला: सरायकेला से राजनगर जाने वाली सड़क पर धूल प्रदूषण ने आसपास के गांवों के ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क किनारे स्थित शासन गांव में उड़ती धूल से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। घरों में धूल घुसने से जहां लोगों को परेशानी हो रही है, वहीं भोजन और



पीने का पानी भी धूल से दूषित हो रहा है। समस्या से परेशान ग्रामीणों ने उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां को आवेदन सौंपकर तत्काल राहत दिलाने की मांग की है।ग्रामीणों के अनुसार, सड़क से दिनभर वाहनों की आवाजाही के कारण भारी मात्रा में धूल उड़ती रहती है। इससे

तिरुलडीह में सार्वजनिक दुर्गापूजा पंडाल का भव्य उद्घाटन

दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु

- पश्चिम बंगाल के कारीगरों ने तैयार किया आकर्षक पंडाल, पूजा-अर्चना के साथ मेले का भी उठा रहे आनंद

बिद्युत महतो / रफ्तार मीडिया संवाददाता, ईचागढ़

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के तिरुलडीह में श्री श्री सार्वजनिक दुर्गापूजा कमिटी की ओर से आयोजित दुर्गापूजा पंडाल का भव्य उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि सरायकेला-खरसावां जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक साव ने फीता काटकर पंडाल का उद्घाटन किया।

पंडाल के उद्घाटन के साथ ही श्रद्धालुओं के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर अशोक साव ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तिरुलडीह में दुर्गापूजा



का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। यहां क्षेत्र की महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करती हैं। वहीं, मेले में भी सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध कारीगरों द्वारा तैयार किया गया आकर्षक पंडाल श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। दुर्गापूजा के आयोजन को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल है। पंडाल की सजावट और कलात्मक निर्माण को देखने के लिए श्रद्धालु

पहुंच रहे हैं। कमिटी की ओर से पूजा को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां की गई हैं। उद्घाटन समारोह में तिरुलडीह पंचायत के मुखिया सुधीर सिंह मुंडा, ईचागढ़ विधायक सविता महतो की पुत्री स्नेहा महतो, उनके भाई संजय महतो, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष इंद्रजीत महतो, सहायक शिक्षक सह कमिटी के संचालक माणिक बनर्जी, बबसन सिन्हा, विजय कुडरी सहित कमिटी के सदस्य और सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

महाष्टमी पर तोपचांची दुर्गा मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, 108 फीट ऊंचा मंदिर बना आकर्षण का केंद्र

- सार्वजनिक तालाब से दंडवत प्रणाम करते हुए मां के दरबार पहुंच रहे श्रद्धालु, पूजा-अर्चना के साथ मेले में उमड़ रही भीड़

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची : महाष्टमी के पावन अवसर पर तोपचांची चौक स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए भक्तों का तांता लगा हुआ है। पूरा मंदिर परिसर मां के जयकारों और भक्तिमय माहौल से गुंज रहा है। सुबह से ही श्रद्धालु सार्वजनिक तालाब से दंडवत प्रणाम करते



हुए मां के दरबार पहुंच रहे हैं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। तोपचांची का 108 फीट ऊंचा भव्य दुर्गा मंदिर श्रद्धालुओं और दूर-दराज से आने वाले लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंदिर की भव्यता और मां

दुर्गा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

वहीं, दुर्गापूजा के अवसर पर तोपचांची में मेले जैसा नजारा देखने को मिल रहा है। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले लगाए गए हैं, जबकि खिलौने, पूजा सामग्री और खान-पान की विभिन्न दुकानें श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही हैं। परिवार के साथ पहुंचे लोग पूजा-अर्चना के साथ मेले का भी आनंद ले रहे हैं।

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए तोपचांची चौक पर पुलिसकर्मी मुस्तैद हैं। पुलिस आने-जाने वाले लोगों को सहयोग कर रही है, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो और पूजा का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

नेमरा गांव पहुंचकर कालीपद सोरेन ने स्वर्गीय रूपी सोरेन को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

रफ्तार मीडिया संवाददाता

सरायकेला: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पूजनीय माता स्वर्गीय रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता सह शिक्षाविद प्रोफेसर कालीपद सोरेन रामगढ़ जिले के नेमरा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने स्वर्गीय रूपी सोरेन के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इस दौरान प्रोफेसर कालीपद सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोक-संतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हुए इस दुख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं साझा कीं।इस अवसर पर कालीपद सोरेन ने कहा कि “मां और मृत्यु से सच इस दुनिया में कुछ भी नहीं है।”

उन्होंने कहा कि मां का स्थान जीवन में सर्वोपरि



होता है और उनका निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।कालीपद सोरेन ने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए शोककुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल मिलने की कामना की।

BEFORE NOTARY PUBLIC, RANCHI

AFFIDAVIT

Through an affidavit of Sl. No.3505 dated 10.09.2026. I Pushpraj Singh, D.O.B. 02/01/1996, Male, Aadhaar No. 3145 1444 1386, S/o Surendra Singh, Ward 7, Vill. Post Hari gawa, P.S. Manjhion, Hari gawa, Garhwa, Jharkhand – 822114, do hereby solemnly affirm on oath and declare as follows:

That the correct name of my daughter is **Samridhi Singh** .

That her Date of Birth is 13.11.2025 and place of birth is Rajendra Institute of Medical Science, Ranchi.

That her mother's name is **Madhuri Singh**.

That in Birth Certificate No. B202520900840007411, date of Reg. 17.11.2025, issued/registered by RIMS, Ranchi, the name of my daughter has been mentioned as Laxmi Singh, which is wrong and incorrect.

That I am swearing this affidavit for correction of the name of my daughter as **Samridhi Singh** in place of Laxmi Singh in her Birth Certificate by the concerned authority of Rajendra Institute of Medical Sciences, Ranchi.

Hence this Affidavit.

SD/-
Deponent

आंदोलन के बीच खुला बीएसएल का मुख्य गेट, सुरक्षा में तैनात किए गए 150 जवान नौवें दिन भी जारी है विस्थापित अप्रेंटिसों का आंदोलन

एसडीएम और डीएसपी ने मौके पर पहुंचकर खुलवाया गेट गैस रिसाव की आशंका को लेकर प्रशासन सतर्क

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में नियोजन की मांग को लेकर जारी आंदोलन के बीच जिला प्रशासन ने रविवार सुबह पहल करते हुए प्लांट का मुख्य गेट खुलवा दिया। पिछले दो दिनों से बंद मुख्य गेट के खुलने के बाद ए शिफ्ट के कर्मचारियों की आवाजाही फिर शुरू हो गई। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए जगुआर, होमगार्ड और जिला बल के करीब 150



जवानों को तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, बीएसएल के सभी गेट पिछले दो दिनों से बंद रहने के कारण कर्मचारियों के प्लांट में प्रवेश और निकासी पर असर पड़ रहा था। रविवार सुबह चास एसडीएम प्रांजल

डांडा और एसपी वेदांत शंकर मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से बातचीत की, जिसके बाद मुख्य गेट खुलवाया गया। इसके बाद कर्मचारी प्लांट के अंदर जाने लगे और ए शिफ्ट का कामकाज

शुरू हुआ। हालांकि, प्लांट के 11 अन्य गेट अब भी बंद हैं और वहां आंदोलनकारी धरने पर बैठे हुए हैं। चास एसडीएम प्रांजल डांडा ने बताया कि प्लांट में जहरीली गैसों की मौजूदगी को देखते हुए संभावित गैस रिसाव की स्थिति में सुरक्षा को लेकर चिंता थी। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्य गेट खुलवाने की पहल की गई। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अन्य गेट भी खुलवाए जाएंगे। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है और कर्मचारियों की आवाजाही सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। एसपी वेदांत शंकर ने बताया कि प्लांट की सुरक्षा के लिए जगुआर, होमगार्ड और

जिला बल के करीब 150 जवान तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी धरना स्थल पर अपना आंदोलन जारी रख सकते हैं, लेकिन प्लांट का संचालन बाधित नहीं होना चाहिए। प्रशासन की प्राथमिकता कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा और सामान्य आवाजाही सुनिश्चित करना है। बीएसएल में नियोजन की मांग को लेकर विस्थापित अप्रेंटिस संघ का आंदोलन रविवार को नौवें दिन भी जारी रहा। बोकारो विधायक श्वेता सिंह भी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठी हैं। संधी मांग है कि अप्रेंटिस का प्रशिक्षण पूरा कर चुके विस्थापित युवाओं

को नियोजन दिया जाए। इसी मांग को लेकर आंदोलनकारी धरना और भूख हड़ताल कर रहे हैं। प्लांट में उत्पादन प्रभावित होने से आर्थिक नुकसान की बात भी सामने आई है। प्रबंधन ने प्रतिदिन करीब 30 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान जताया है। ऐसे में एक ओर विस्थापितों का नियोजन आंदोलन जारी है, तो दूसरी ओर प्लांट का संचालन सामान्य करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती जिला प्रशासन के सामने है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि नियोजन के मुद्दे पर आंदोलनकारियों और प्रबंधन के बीच कोई ठोस समाधान निकल पाता है या नहीं।

समाचार सार

खेत से मिला युवक का शव, हत्या की आशंका



बोकारो: माराफारी के कृष्ण मंदिर के समीप झोपड़ी कालोनी के खेत से एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है। युवक का चेहरा बुरी तरह से कुचला हुआ है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ने उसकी हत्या कर शव को खेत में फेंक दिया है। घटना माराफारी थाना क्षेत्र के झोपड़ी कालोनी का है। मृतक का पहचान अमित कुमार के रूप में हुई है। जो झोपड़ी कालोनी निवासी त्रिलोकी शर्मा का पुत्र है। हत्या कैसे हुई? किसने की? इसका कारण स्पष्ट नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही खुलासा हो पाएगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महाअष्टमी पर गांडेय के पूजा पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, महिलाओं ने किया सिंदूरदान व शृंगार



गांडेय (रफ्तार मीडिया संवाददाता): शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर गांडेय प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पूजा पंडालों और देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की आराधना के लिए भक्तों में खासा उत्साह देखा गया। महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से मां की पूजा-अर्चना की और आरती उतारकर क्षेत्र के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान पंडालों में पारंपरिक उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां सुहागिन महिलाओं ने माता रानी को सुहाग की सामग्री अर्पित करने के बाद एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर शृंगार किया और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। प्रखंड के छाता मेला मैदान देवनडीह/भोक्तियालोहारी पंडाल, बुधुडीह मंदिर, गांडेय मंदिर, महेशमुंडा मंदिर, लेदो मंदिर समेत सभी प्रमुख पूजा स्थलों पर सुबह की पहली किरण के साथ ही दर्शन-पूजन के लिए लंबी कतारें लग गईं। जय माता दी के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। भीड़ को नियंत्रित करने और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूजा समितियों के सदस्य व स्वयंसेवक सुबह से ही तत्पर नजर आए।

दुमका में मजाक से शुरू हुआ विवाद बना जानलेवा लाठी के वार से युवक की मौत, आरोपी गिरफ्तार

रफ्तार मीडिया संवाददाता

दुमका: एक मामूली मजाक कब जानलेवा संघर्ष में बदल जाए, इसका दर्दनाक उदाहरण रविवार को मसलिया थाना क्षेत्र के झुजकू गांव में देखने को मिला। हंसी-मजाक के दौरान शुरू हुई कहासुनी कुछ ही मिनटों में खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई, जिसमें व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार मसलिया थाना क्षेत्र के हरराइडीह पंचायत अंतर्गत झुजकू गांव निवासी सुनील मुर्मू रविवार सुबह करीब 11 बजे अपने घर के पास स्थित एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था । इसी दौरान गांव के ही रूबिसाल सोरेन वहां पहुंचा । दोनों के बीच



सामान्य बातचीत और हंसी-मजाक का दौर शुरू हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मजाक के दौरान कहीं गई कुछ बातें एक-दूसरे को नागवार गुजरीं, जिसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ने लगा दिखते ही देखते स्थिति इतनी बिगड़ गई कि आवेश में आए रूबिसाल सोरेन ने पास में पड़े डंडे से सुनील मुर्मू के सिर पर

जोरदार प्रहार कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से सुनील मुर्मू लहलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार होने की कोशिश कर रहा था, लेकिन ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और पकड़

लिया। इसके बाद घटना की सूचना मृतक के परिजन और मसलिया थाना पुलिस को दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी रूबिसाल सोरेन को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।मृतक सुनील मुर्मू अपने पीछे पत्नी सहित तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। उनके परिवार में 15 वर्षीय पुत्र सिसुलाला मुर्मू, 13 वर्षीय सुरेश मुर्मू तथा 10 वर्षीय पुत्री प्रियंका मुर्मू हैं। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।



रफ्तार मीडिया संवाददाता

गोड्डा : गोड्डा जिले के महागामा स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में महाअष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने मां महागौरी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। परंपरा के अनुसार,

दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने माता को डाला चढ़ाया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही जारी रही। इस ऐतिहासिक मंदिर के प्रति लोगों में गहरी आस्था है। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई मुराद माता रानी पूरी करती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या



में श्रद्धालु नवरात्र के दौरान यहां दर्शन करने पहुंचते हैं। मंदिर की खास परंपरा के अनुसार, महाअष्टमी की रात 12 बजे के बाद तांत्रिक पद्धति से पूजा जाती है। इस दौरान मंदिर परिसर में अधोरी और साधक मंत्र-तंत्र की साधना तथा सिद्धि प्राप्त करने के लिए जुटते हैं। वहीं, पूरे

नवरात्र मंदिर में अखंड दीप प्रज्वलित रहता है। मंदिर के पुरोहित सतीश झा ने बताया कि सोमवार सुबह 8:15 बजे तक महाअष्टमी तिथि रहेगी। पूरे दिन अष्टमी मान्य रहेगी। इसलिए श्रद्धालु सोमवार को भी दिनभर माता को डाला चढ़ाकर पूजा-अर्चना कर सकेंगे।

टुंडी में स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल : गर्भवती को नहीं मिली 108 एम्बुलेंस और ममता वाहन फोन करने पर मिला 'गाड़ी खराब' होने का जवाब

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल कितने बेपटरी हो चुके हैं, इसकी एक बानगी पूर्वी टुंडी प्रखंड से सामने आई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टुंडी के अंतर्गत आने वाली रघुनाथपुर पंचायत के ग्राम नूतनडीह से एक बेहद लापरवाही और संवेदनहीनता से भरी खबर सामने आई है, जहाँ एक गरीब गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा (लेबर पेन) के दौरान न तो सरकारी 108 एम्बुलेंस मिली और न ही 'ममता वाहन' का लाभ नसीब हुआ। समय पर सहायता न मिलने के कारण परिजनों को मजबूरन निजी वाहन का सहारा लेना पड़ा, जिससे स्वास्थ्य विभाग के तमाम बड़े दावों की पोल खुलकर सामने



आ गई है। **फोन करने पर मिला 'गाड़ी खराब' होने का जवाब, परिवार हुआ परेशान** प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नूतनडीह निवासी महाबीर मंडल की 18 वर्षीय पत्नी पूजा देवी को रविवार सुबह अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय है। ऐसे में आपातकालीन स्थिति को

देखते हुए सहिया शकुंतला मुर्मू और गर्भवती के पति महाबीर मंडल द्वारा तुरंत सरकारी 108 एम्बुलेंस सेवा और ममता वाहन के लिए फोन किया गया। लेकिन हैरानी की बात यह है कि संपर्क करने पर दोनों ही सेवाओं की तरफ से गाड़ी खराब होने की बात कहकर वाहन उपलब्ध कराने से साफ इंकार कर दिया गया। ऐन वक्त पर सरकारी वाहन

न मिलने और घर की महिला की बिगड़ती हालत को देख परिजनों के हाथ-पांव फूल गए। अधिकार भारी कठिनाइयों और आर्थिक तंगी के बीच परिजनों ने निजी वाहन का ईंतजाम किया और गर्भवती महिला को अस्पताल पहुँचाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्वी टुंडी जैसे सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में यदि आपातकाल के समय एम्बुलेंस खराब होने का बहाना बनाकर छोड़ दिया जाए, तो कभी भी जच्चा-बच्चा की जान पर बड़ा खतरा बन सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की इस बदहाली और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर स्थानीय ग्रामीणों और

बुद्धिजीवियों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस घटना के बाद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की कार्यशैली और स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर तीखे सवाल खड़े होने लगे हैं। ग्रामीणों का साफ तौर पर कहना है कि सरकार और विभाग चाहे जितने भी दावे कर लें, लेकिन धरातल की सच्चाई यह है कि गरीबों को आपातकाल के वक्त भी बुनियादी स्वास्थ्य योजनाएं और एम्बुलेंस सुविधाएँ समय पर नहीं मिल पा रही हैं। अब यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि मीडिया में मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और जिला प्रशासन इस गंभीर मामले पर क्या संज्ञान लेते हैं और एम्बुलेंस संचालन में लापरवाही बरतने वालों पर क्या कार्रवाई करते हैं।

बंगाल की भगदड़ का दर्द कैनवास पर : धनबाद के कलाकार ने मां दुर्गा के उदास चेहरे और पश्चिम बंगाल के मानचित्र से दी श्रद्धांजलि

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : शारदीय दुर्गा पूजा का यह पावन अवसर एक तरफ जहां आस्था, उल्लास और भक्ति से सराबोर है, वहीं पश्चिम बंगाल के चोर बागान स्थित पूजा पंडाल में हुई दर्दनाक भगदड़ की घटना ने पूरे उत्सव के माहौल को गमगीन कर दिया है। इस भीषण हादसे में कई श्रद्धालुओं के हताहत होने की खबर से हर संवेदनशील मन व्यथित है। इसी पीड़ा और संवेदना को धनबाद के एक स्थानीय कलाकार ने अपनी कला के जरिए कैनवास पर जीवंत किया है। **रविवार को रणधीर वर्मा चौक पर उकेरा गया दर्द** धनबाद के प्रमुख रणधीर वर्मा चौक पर कलाकार ने मां दुर्गा के उदास चेहरे का एक भावुक चित्र बनाकर पश्चिम बंगाल हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को अनोखे अंदाज में श्रद्धांजलि दी है। इस कलाकृति में मां दुर्गा के चेहरे पर झलकती गहरी उदासी और उसके साथ उकेरा गया पश्चिम बंगाल का मानचित्र राह चलते लोगों का विशेष रूप से ध्यान खींच रहा है जहां एक ओर शहर के पूजा पंडालों में भव्य रोशनी और उत्सव का माहौल है, वहीं इस चित्र ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि त्योहारी चमक-धमक के बीच उन परिवारों के दुख को भी महसूस करना बेहद जरूरी है, जिन्होंने इस त्रासदी में अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया है।



उत्सव के साथ संवेदनशीलता भी जरूरी अपनी इस कला के माध्यम से गहरा संदेश देते हुए कलाकार रमेश ने कहा कि दुर्गा पूजा हमारी आस्था और प्राचीन परंपरा का महापर्व है, जिसे उल्लास के साथ मनाना चाहिए; लेकिन पश्चिम बंगाल में हुई इस दुःखद घटना के मद्देनजर समाज में संवेदनशीलता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। त्योहार मनाते समय हमें पीड़ित परिवारों के दर्द के प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए और परंपराओं का निर्वहन करते हुए उत्तरी प्रति सम्मान का भाव दिखाना चाहिए। कृची और रंगों के माध्यम से बनाई गई इस पेंटिंग में मां दुर्गा के उदास चेहरे के जरिए हादसे का दर्द और पूरी तस्वीर के माध्यम से पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदनता साफ झलकती है। धनबाद के इस कलाकार की यह सराहनीय पहल यह याद दिलाती है कि त्योहारों की असली खूबसूरती केवल अपनी खुशियां मनाने में नहीं, बल्कि दुख की इस घड़ी में मानवता के नाते एक-दूसरे के साथ खड़े रहने में भी है।

रामगढ़ में छाया डिस्को डांडिया का खुमार, मैरिज हॉल और होटलों में देर रात तक थिरके श्रद्धालु

गुजरात की पारंपरिक संस्कृति का झारखंड में बढ़ रहा क्रेज, मां दुर्गा की आराधना के साथ आधुनिक संगीत पर डांडिया की धूम

रफ़्तार मीडिया संवाददाता



रामगढ़। शारदीय नवरात्र के अवसर पर इस बार रामगढ़ में मां दुर्गा की आराधना के साथ डांडिया और गरबा का उत्साह देखते ही बन रहा है। शहर के कई मैरिज हॉल और होटलों में डिस्को डांडिया का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मां दुर्गा की भक्ति, रंग-बिरंगे परिधानों और संगीत की धुनों के बीच पूरा माहौल उत्सवमय बना रहा। इस बार रामगढ़ में चारों ओर डांडिया की धूम देखने को मिली। नवरात्र के दौरान मां दुर्गा के प्रति आस्था प्रकट करने के साथ-साथ डांडिया और गरबा अब उत्सव का प्रमुख आकर्षण बनते जा रहे हैं। जैसे ही षष्ठी के अवसर पर मां दुर्गा के पूजा पंडालों के पट खुले, वैसे ही शहर में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रौनक बढ़ गई। विभिन्न स्थानों पर आयोजित डिस्को डांडिया कार्यक्रमों में लोगों

ने पारंपरिक डांडिया के साथ आधुनिक संगीत की धुनों पर भी जमकर नृत्य किया। **गुजरात की संस्कृति का झारखंड में बढ़ता आकर्षण** डांडिया और गरबा मूल रूप से गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा से जुड़े हैं। विशेष रूप से नवरात्र के नौ दिनों में मां दुर्गा की आराधना के साथ गरबा और डांडिया करने की परंपरा रही है। अब यह परंपरा गुजरात की सीमाओं से निकलकर महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश सहित देश के कई

राज्यों में लोकप्रिय होती जा रही है। रामगढ़ में भी पिछले कुछ वर्षों से डांडिया और गरबा के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ा है। अब विभिन्न सामाजिक संगठनों, होटलों और मैरिज हॉल में बड़े स्तर पर इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाने लगा है। इसमें गुजराती समुदाय के लोगों के साथ-साथ अन्य समुदायों के लोग भी उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं। **नौ दिनों तक मां की आराधना, डांडिया और गरबा की परंपरा** नवरात्र के नौ दिन मां दुर्गा की उपासना के लिए विशेष महत्व



रखते हैं। गुजराती समुदाय में इस दौरान मां की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। शाम के समय पारंपरिक वेशभूषा में महिला-पुरुष और युवा गरबा तथा डांडिया करते हैं। अष्टमी और नवमी के अवसर पर हवन, कन्या पूजन और अन्य धार्मिक अनुष्ठान भी किए जाते हैं। विजयादशमी के अवसर पर परंपरा और स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा का समापन तथा मां की विदाई की जाती है। पारंपरिक गरबा में मां

संगीत की धुनों पर भी डिस्को डांडिया आयोजित किया जा रहा है। रामगढ़ के होटलों और मैरिज हॉल में ऐसे आयोजन युवाओं के बीच खास आकर्षण का केंद्र बने हैं। हालांकि, डांडिया और गरबा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा, सामूहिक सहभागिता और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का भी अवसर हैं। ऐसे में पारंपरिक गरबा और आधुनिक डिस्को डांडिया के बीच संतुलन बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। कुल मिलाकर, इस बार रामगढ़ में नवरात्र के दौरान डांडिया की धूम ने शहर की उत्सवी रौनक को और बढ़ा दिया। गुजरात की सांस्कृतिक परंपरा का यह रंग अब झारखंड में भी गहराता नजर आ रहा है। मां दुर्गा की भक्ति के साथ डांडिया और गरबा का बढ़ता आकर्षण आने वाले वर्षों में इस परंपरा को और व्यापक बनाने की उम्मीद जगाता है।

वीणा लॉज के सामने खुली उपसरपंच चाय की दुकान, नगर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने किया उद्घाटन



स्थानीय व्यवसाय को बढ़ावा देने की दिशा में नई पहल, उद्घाटन समारोह में शामिल हुए गणमान्य लोग

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र में व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक नई पहल के तहत जपला रोड स्थित वीणा लॉज के सामने जायका अमृतुल्य के पास उपसरपंच चाय नामक नई दुकान का शुभारंभ किया गया। दुकान का उद्घाटन छतरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता उर्फ चुनमुन और नगर पंचायत उपाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के साथ ही स्थानीय लोगों के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता उर्फ चुनमुन ने दुकान संचालक को नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके व्यवसाय की उन्नति, सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि नया व्यवसाय बेहतर तरीके से संचालित होगा और स्थानीय लोगों को चाय एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायक बनेगा। जपला रोड छतरपुर का एक प्रमुख मार्ग है। वीणा लॉज के सामने जायका अमृतुल्य के सामने दुकान खुलने से इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों और आपसपास के स्थानीय निवासियों को चाय की शुरुआत पर दी गई शुभकामनाएं

पीने के लिए एक नया विकल्प मिलेगा। चाय की दुकानें आम लोगों के दैनिक जीवन का अहम हिस्सा होती हैं। यहां लोग चाय के साथ कुछ समय बिताने और आपस में बातचीत करने के लिए भी जुटते हैं।

नई शुरुआत पर दी गई शुभकामनाएं दुकान के उद्घाटन के अवसर पर स्थानीय लोगों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी रही। सभी ने दुकान संचालक को नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं और व्यवसाय के सफल संचालन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान आपसी मेलजोल और सीढ़ाईपूर्ण वातावरण देखने को मिला। संचालक मनोहर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि वें किसी काम को लेकर महाराष्ट्र गए थे उसी टाइम उपसरपंच का फ्रेंच आईजी देखा और पहली बार उन्होंने वहां की चाय भी जिसका टेस्ट अच्छा लगा इसके बाद उन्हें विचार आया उपसरपंच का फ्रेंच आईजी लेकर छतरपुर में दुकान खोलने का। इस प्रकार छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र में उपसरपंच चाय की नई दुकान की शुरुआत हुई। दुकान संचालक को उम्मीद है कि स्थानीय लोगों का सहयोग मिलेगा और व्यवसाय आगे बढ़ेगा। मौके पर उपस्थित उपाध्यक्ष मंजीत यादव, अनिरुद्ध पासवान, गोपाल चंद्रवंशी, डॉ. सत्यनारायण, कुश कुमार, नागेन्द्र चंद्रवंशी, पत्रकार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क हुई छतरपुर पुलिस, नौडीहा बाजार के पंडालों का किया निरीक्षण

नौडीहा बाजार में एसडीपीओ ने परखी दुर्गा पूजा की तैयारियां, समितियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

पलामू: दुर्गा पूजा में शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर प्रशासन सख्त, पंडालों में पहुंचे एसडीपीओ

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

नौडीहा बाजार/पलामू। दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। इसी क्रम में छतरपुर अनुमंडल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नौडीहा बाजार थाना प्रभारी नीरज कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और



जवान उपस्थित रहे। एसडीपीओ ने पूजा पंडालों में पहुंचकर पूजा समिति के सदस्यों के साथ बैठक की और सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा,

द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का अभ्यर्शः पालन करना अनिवार्य होगा। एसडीपीओ ने पूजा समितियों से अपील करते हुए कहा कि पूजा और प्रतिमा विसर्जन के दौरान शांति, सौहार्द और अनुशासन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और विधि व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पलामू पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, पर्व को प्रेम और भाईचारे के साथ गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय थाना को दें।

अवैध कोयला तस्करी पर नकेल : सीआईएसएफ ने रातभर चलाया सघन चेकिंग अभियान, 100 से अधिक जवान रहे तैनात

►फुलवासिया साइडिंग के गोलीटांड चेक पोस्ट पर रात 10 से सुबह 5 बजे तक हुई कड़ी नाकेबंदी।

►कोयला लंदे और खाली वाहनों के कागजात खंगाले, तस्करी में मचा हड़कंप।

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

खलारी: सीसीएल एनके, पिपरवार और मगध-आम्रपाली प्रक्षेत्र में अवैध कोयला खनन और तस्करी के खिलाफ केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। कमांडेंट अमित कुमार के दिशा-निर्देश पर सुरक्षा बलों ने शनिवार रात से रातभर सुबह तक बड़े पैमाने पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। उप कमांडेंट दिनेश कुमार के नेतृत्व में मगध क्षेत्र स्थित फुलवासिया साइडिंग के समीप गोलीटांड चेक पोस्ट पर विशेष नाकेबंदी की गई। इस संयुक्त अभियान में सीआईएसएफ के 100 से अधिक जवानों ने मोर्चा संभाला। 17 अक्टूबर की रात 10:15 बजे से लेकर 18 अक्टूबर की सुबह 5:15 बजे तक चले इस सात घंटे के सघन तलाशी अभियान के दौरान चेक पोस्ट से



गुजरने वाले सभी कोयला लंदे और खाली वाहनों को रोककर उनके कागजातों और रूट की गहन जांच की गई। जांच के दौरान सहायक कमांडेंट सुभाष कुमार, निरीक्षक राजीव शर्मा, निरीक्षक आर. के. सिंह सहित कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, इस दौरान जांचे गए वाहनों में कोई अनियमितता नहीं मिली। गौरतलब है कि एक दिन पहले भी इसी इलाके

में चलाए गए अभियान के दौरान कोयला तस्करी में लिप्त कुछ वाहनों को जप्त किया गया था। उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई है। सीआईएसएफ अधिकारियों ने साफ किया है कि संवेदनशील इलाकों में यह अभियान लगातार जारी रहेगा और कोयला तस्करी में लिप्त तत्वों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रांची में 'यूनिवर्सल हार्ट केयर' का विस्तार : अब एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं हृदय रोग से जुड़ी आधुनिक जांच और इलाज की सुविधाएं

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में हृदय रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में यूनिवर्सल हार्ट केयर,तीसरी मंजिल, पंचचक्र आर.एस.एस. टॉवर, सेंट्रियो मॉल के पास, रांची, झारखंड में विस्तार किया गया है। वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ एवं कंसल्टेंट इंटरवेंशनाल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. मो. फरहान शिकोह के नेतृत्व में इस केंद्र को बड़ी, आधुनिक और सुविधाजनक जगह पर स्थानांतरित किया गया है। नए केंद्र का उद्घाटन रविवार, किया गया। डॉ. फरहान शिकोह पिछले



कई वर्षों से यूनिवर्सल हार्ट केयर के माध्यम से हृदय रोगियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इससे पहले यह केंद्र रांची के मेन रोड स्थित आजाद क्षेत्र में सोलजर मार्केट के पास संचालित था। अपने पुराने केंद्र के माध्यम से

इसने बड़ी संख्या में मरीजों को सेवाएं प्रदान की और लोगों को विश्वास हासिल किया। मरीजों की बढ़ती जरूरतों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए केंद्र को नए परिसर में स्थानांतरित किया

गया है। यहां मरीजों के बैठने के लिए बेहतर व्यवस्था के साथ हृदय रोगों की जांच के लिए आधुनिक उपकरण और मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। इसका उद्देश्य मरीजों को एक ही स्थान पर जांच, विशेषज्ञ परामर्श और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराना है। **हृदय रोगों की आधुनिक जांच और विशेषज्ञ उपचार** नए केंद्र में हृदय की स्थिति का आकलन करने के लिए इकोकार्डियोग्राफी (इको), ट्रेडमिल टेस्ट (टीएमटी), होल्टर मॉनिटरिंग और 24 घंटे की एम्बुलेट्री ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग (एबीपीएम) सहित कई महत्वपूर्ण

जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां हार्ट अटेक, सीने में दर्द, उच्च रक्तचाप, हार्ट फेलियर, हृदय के वाल्व से संबंधित बीमारियों और अन्य हृदय संबंधी समस्याओं के लिए विशेषज्ञ परामर्श एवं उपचार की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा कोरोनरी एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी और पेसमेकर इम्प्लांटेशन जैसी उन्नत हृदय प्रक्रियाओं के लिए भी विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध हैं। **गुणवत्तापूर्ण और किफायती इलाज पर जोर** डॉ. मो. फरहान शिकोह ने बताया कि केंद्र के विस्तार का उद्देश्य केवल मरीजों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक उच्च गुणवत्ता वाली हृदय चिकित्सा सेवा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मरीजों की आर्थिक स्थिति चाहे जैसी भी हो, उन्हें बेहतर कार्डियक केयर, आधुनिक जांच सुविधाएं और उचित मूल्य पर इलाज उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र का विस्तार होने के बावजूद सुलभऔर किफायती चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता पहले की तरह बनी रहेगी। आधुनिक सुविधाओं और बेहतर व्यवस्था के माध्यम से मरीजों को सुविधाजनक वातावरण में उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

समाचार सार

महाअष्टमी पर माता के दर्शन को लेकर उमड़ा आस्था का सैलाब



राजधनवार (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): धनवार बाजार सहित प्रखंड क्षेत्र में शारदीय दुर्गा पूजा पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाई जा रही है। शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए विभिन्न पूजा पंडालों एवं मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। राजधनवार सार्वजनिक दुर्गा मंडप में अहले सुबह से ही माता के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। महाअष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष फूल, फूल और बतारों अर्पित कर दीपक एवं धूपबत्ती दिखाते हुए विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भक्तों ने माता से अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। पूजा पंडाल में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजही बनी रही और पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए पूजा समिति की ओर से महिला एवं पुरुष भक्तों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं, ताकि माता के दर्शन के दौरान किसी को परेशानी न हो। दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। इस दौरान पूजा समिति के अध्यक्ष अमित कुमार, उपाध्यक्ष महेंद्र स्वर्णकार, सचिव संतोष साहू, उपसचिव उत्तम कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष सचिन कुमार साहू सहित विजय कसेरा, शंभू रजक, रोशन लाल सुमन, विक्रान्त कसेरा, वासुदेव साव, रोहित कसेरा, कृष्णा स्वर्णकार, शक्ति स्वर्णकार, दीपक सिन्हा एवं छोटे भदानी समेत अन्य सदस्य श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था बनाए रखने में लगे रहे।

कुकुई गांव में दुर्गा पूजा में शामिल हुए प्रकाश महतो, माता रानी का लिया आशीर्वाद



ओरमांडी। ओरमांडी प्रखंड के कुकुई गांव में माता रामाहां दुर्गा पूजा समिति की ओर से आयोजित दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर भाजपा नेता प्रकाश महतो शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर भाजपा नेता प्रकाश महतो ने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था, भक्ति और शक्ति की उपासना का महान पर्व है। यह पर्व हमें बुराई पर अच्छाई की जीत, सत्य के मार्ग पर चलने और समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा एवं एकता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने माता रानी से सभी लोगों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में ग्रामीण जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष जलेंद्र महतो, प्रकाश महतो, सोनाराम महतो, मणिनाथ महतो, शंकर महतो एवं करमचंद महतो सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूजा के अवसर पर ग्रामीणों में उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

अनूप राय और संजय परशुरामका ने गोराईनाला पहुंचकर दोनों पूजा समितियों से की मुलाकात



जामताड़ा(रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। मिहिजाम थाना क्षेत्र के गोराईनाला गांव में दो दुर्गा पूजा समितियों के बीच आपसी विवाद को बढ़ने से रोकने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की पहल जामताड़ा विश्व हिंदू परिषद की ओर से की गई। विहिप के जिला अध्यक्ष अनूप राय एवं सदस्य संजय परशुरामका सहित अन्य सदस्यों ने गांव का दौरा कर दोनों पूजा समितियों के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने आपसी समन्वय, भाईचारा और सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील की। वही विहिप सदस्यों ने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था, एकता और सद्भाव का पर्व है। ऐसे अवसर पर आपसी मतभेदों को बढ़ावा देने के बजाय मिल-जुलकर लोहार मनाया चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की राजनीतिक खींचतान या गलतफहमी में आकर आपस में विवाद न करें। गांव की एकता और शांति बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।अनूप राय ने कहा कि गोइरनाला में दोनों पूजा समितियों के बीच आपसी समझ और समन्वय जरूरी है। किसी भी विवाद का समाधान बातचीत से किया जा सकता है। धार्मिक आयोजन को लेकर गांव में तनाव पैदा करने के बजाय सभी लोगों को मिलकर दुर्गा पूजा को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता को प्राथमिकता देने की अपील की। संजय परशुरामका ने कहा कि समाज में भाईचारा और आपसी विश्वास सबसे महत्वपूर्ण है। पूजा समितियों को एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए, ताकि गांव में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहे। इस दौरान दोनों समितियों के लोगों ने भरोसा दिलाया कि वे आपस में नहीं लड़ेंगे और मिल-जुलकर दुर्गा पूजा मनाएंगे। साथ ही, दुर्गा पूजा संपन्न होने के बाद गांव में एक बड़ी सामाजिक बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें आपसी समन्वय और सामाजिक एकता को मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी।

हजारीबाग में भक्तिमय माहौल के बीच संपन्न हुई महाअष्टमी पूजा, सुबह से ही पूजा-पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



हजारीबाग। शारदीय नवरात्र के पावन चिकित्सा सेवा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मरीजों की आर्थिक स्थिति चाहे जैसी भी हो, उन्हें बेहतर कार्डियक केयर, आधुनिक जांच सुविधाएं और उचित मूल्य पर इलाज उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र का विस्तार होने के बावजूद सुलभऔर किफायती चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता पहले की तरह बनी रहेगी। आधुनिक सुविधाओं और बेहतर व्यवस्था के माध्यम से मरीजों को सुविधाजनक वातावरण में उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।



संपादकीय

इन जहरीले साँपों का फन कुचलने आगे आइए

मौसम तीखी गर्मी से लेकर बरसात फिर उमस और अब आने वाली ठंड की तरफ अपने कदम बढ़ा रहा है।फिलहाल उमस है। ऋतु का वह चक्र, जिसमें जमीन के भीतर की उमस से परेशान होकर साप भी अपने बिलों से बाहर निकल आते हैं। ठीक वैसे ही, जैसा साल 2014 से देश में दिख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कार्यकाल ने गलत काम और इरादों के खिलाफ उस उमस का संचार किया है कि अनगिनत जहरीले सरीसृप छटपटाहट के साथ बाहर आते ही चले जा रहे हैं। आमिर खान से लेकर नसीरुद्दीन शाह, प्रकाश राज, कन्हैया कुमार, उमर खालिद, विशाल दादलानी, मोहतरमा स्वरा भास्कर, अभिजीत दिपके (उसके छर्रे भी), नेहा बोरा और अब आमिर का भांजा इमरान खान, ये सब एक ही नैरेटिव लेकर चल रहे हैं। वह यह कि कैसे और किस-किस तरह से आज विश्व शक्ति बनने की तरफ तेजी से जा रहे भारत को कमजोर किया जा सके। राहुल गांधी तो खेर हर देश-विरोधी का कंधे पर अपनी पार्टी का पंजा रखने में कोई चूक नहीं ही करते हैं, उस पर उनके मानस गुरु सैम पित्रोदा यह भी कह गुजरे हैं कि यदि जॉर्ज सोरोस (आज के भारत के खिलाफ हर फंडिंग को अंजाम देने का धिनौना आरोपी) भारत में निवेश करना चाहता है तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। ये पित्रोदा वही हैं, जिन्होंने इंदिरा गांधी की मौत के बाद हजारों बेगुनाह सिखों के कल्लेआम के लिए कहा था, 'जो हो गया, सो हो गया।' तो सांप पहले बिलबिलाए और अब फन फैलाकर देश की प्रगति की राह में खड़े हो गए हैं। इनके

प्रायोजकों का तो क्या ही कहना ? तब ही तो इमरान खान की इतनी औकात हो गई कि इस देश का रहवासी न होने के बाद भी वह जंतर-मंतर के प्रदर्शन में शामिल होने पहुंच गया। डेली-बेली जैसी एक नंगी फिल्म का यह हीरो खुद भी कितना नग्न है, यह तो उसके हालिया आचरण से सामने आ ही गया है। बचपन में कई ऐसे लोगों को देखा था, जो कांच की दीवार वाले कमरे के भीतर बैठकर अलग-अलग नस्ल वाले जहरीले साँपों के बीच समय बिताते थे।

आज नरेंद्र मोदी ऐसे ही विष धारियों के बीच घिरे हुए दिख रहे हैं। फिर एक नस्ल का नाम चाहे धुव राठी ही क्यों न हो ? लेकिन एक बात तय है। मोदी इनके बीच समय नहीं बिता रहे, बल्कि अपने वक्त का एक-एक पल इन विषैलों से बेफिक्र होकर देश की प्रगति के लिए समर्पित कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर किसी ने इन हालात के लिए बहुत सही लिखा है, 'जब बहुमत चुप रहेगा तो अल्पमत को व्यवस्था पर हावी होने का मौका मिल जाएगा।' सवाल यह कि बहुमत चुप क्यों है ? क्यों नहीं वो गंदगी फैलाने वाले काँकरोच और उसके आकाओं सहित पिछलग्गुओं के खिलाफ मैदान में उतर रहा है ? जो लोग इस देश को श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल का विकृत उदाहरण बनाने की साजिश रच रहे हैं, उन्हें आप और हम भी मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं। ऐसा हर मामला सरकार पर ही मत छोड़िए। खुद का सच्चे भारतीय वाला दायित्व भी निभाइए। क्योंकि आज की केंद्र सरकार हमारे सपने साकार करने के लिए अग्रसर है। तो क्या हमारा यह कर्तव्य नहीं बनता है कि अपना कर्म निभाते हुए इन जहरीले साँपों का फन कुचलने के अभियान में सहभागिता करें ? जरा सोचिए।



लोक मुद्दा

सवालों के घेरे में हैं ‘जेएनयू के क्रांतिकारियों’ की ‘चयनित चुप्पियां’

जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय में जागरुक विद्यार्थियों की संख्या काफी है। राजनीतिक तौर पर भी उनकी सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में किसी प्राध्यापक का यह रवैया आश्चर्यजनक है। उन छात्राओं के साहस को भी नमन करना चाहिए, जिनके कारण यह प्रकरण प्रकाश में आ सका। हमारी परंपरा में शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए अभिभावक हैं। इस गरिमा को छोड़कर अपने विद्यार्थियों का किसी भी तरह का शोषण स्वीकार्य नहीं है। यह उस अकादमिक भरोसे की हत्या है, जिस पर शिक्षा की नींव टिकी है। इस मामले के बाद उच्च शिक्षा परिसरों में सुरक्षा, सत्ता के दुरुपयोग और संस्थागत जबाबदेही के सवाल उठेंगे। इसलिए इसका परिप्रेक्ष्य व्यापक है। ‘लड़की हूं लड़ सकती हूं’ और ‘बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ’ के नारों के बीच ऐसी घटनाएं हमें मुंह चिढ़ा रही हैं। इस सिलसिले को रोकने के लिए कौन आएगा ? जीवंत समाज अपने समाज के प्रश्नों के हल खुद खोजता है। वह टीवी बहसों से प्रभावित नहीं होता। क्योंकि ये हमेशा अंतहीन और निष्कर्षहीन ही होती हैं। स्त्री सुरक्षा पर हमने आज ही सोचने और कुछ करने की शुरुआत नहीं की तो कल बहुत देर हो जाएगी।



प्रो.संजय छिवेदी

क्यों हम अपने परिसरों को छात्राओं के लिए सुरक्षित स्थान नहीं बना पाए हैं ? जेएनयू जैसे जागरुक परिसर में ऐसा हो रहा है तो छोटे स्थान पर क्या हो रहा होगा ? किसी छात्रा के लिए सत्ता प्रतिष्ठान से टकराना साधारण नहीं होता। बात जब यौन उत्पीड़न की हो मामला और संवेदनशील हो जाता है। छात्राओं को हिम्मत देना जरूरी है। जेएनयू की प्रथम महिला कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने संवेदना के साथ इस विषय में न्याय किया है।

शिक्षक-सांसद की राजनीतिक और नैतिक अग्नि परीक्षा! शिक्षा केंद्रों की कलंक कथाएं अनंत हैं। गुरु-शिष्य परंपरा को लजाते प्रकरण मुंह चिढ़ा रहे हैं। ऐसी खबरें अब बहुत विलित नहीं करतीं। किंतु बात जब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जैसे शिक्षा केंद्र की हो तो मामला साधारण नहीं रह जाता। आरोप किसी साधारण शिक्षक पर नहीं, मणिपुर से लोकसभा के सांसद प्रोफसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर हैं। वे जेएनयू के सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र में प्राध्यापक थे। जेएनयू प्रशासन ने 11 छात्राओं की शिकायतों की जांच के बाद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को बर्खास्त कर दिया है। वे अभी सांसद बने हुए हैं। प्रो. बिमोल ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकार विरोधी रवैये के कारण शिकार बनाया जा रहा है। इस सफाई के बहुत मायने नहीं हैं। मुद्दा है शिक्षक की गरिमा का, यदि वह जनप्रतिनिधि हैं तो मामला गंभीर हो जाता है।

कटघरों को तोड़कर आगे आती बेटियां- आरोपी प्रोफेसर के बारे में विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने शिकायतों को सही पाया है। नैतिकता के आधार पर उन्हें सांसद पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनकी अपनी कांग्रेस पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है। यह बात रेखांकित करती है कि शिक्षा केंद्रों में शिक्षक सुरक्षित माहौल नहीं देंगे तो युवा पीढ़ी का मानसिक और शैक्षणिक विकास कैसे होगा ? यह भी सुखद है कि जागरुक विद्यार्थी अब किसी तरह के शोषण को सहने को तैयार नहीं हैं। पीड़िताएं अब डरने के बजाए संस्थागत प्रक्रियाओं का दरवाजा खटखटा रही हैं।

स्त्रियों ने इस समय में अपनी शक्ति को पहचान लिया है। वे बेहतर कर रही हैं और आगे आसमां छूने की कोशिशों में हैं। यहां भी पुरुष सत्ता चोटिल होती हुई लगती है। उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता के बजाए, किसे बनाने और उसे कमतर साबित करने की कोशिशें हर स्तर हो रही हैं। तेज होते सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों के इस दौर में सिर्फ कानून ही स्त्री के साथ खड़े हैं। कई जगह स्त्रियां भी,



स्त्रियों के खिलाफ खड़ी हैं। यह संक्रमण काल है, स्त्री को अपने वजूद को साबित करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का समय है। वह जीत रही है और आगे बढ़ रही है। आज की बेटियां अपने सपनों में रंग भर रही हैं। आसान शिकार होने के नाते कुछ शिकारी उसकी घात में हैं, किंतु आज की औरत इससे डरती नहीं। घबराती नहीं। वह बने-बनाए कठघरों को तोड़कर आगे आ रही है।

दलगत सीमाओं से ऊपर उठें- कानून से ऊपर कोई नहीं है। आरोपी प्रोफेसर सांसद हैं तो उन्हें कुछ विशेषाधिकार जरूर हासिल हैं। ऐसे में मुद्दा यह भी है कि जब कानून बनाने वाले ही महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं तो राजनीतिक शुचिता का क्या होगा। दलगत राजनीति और चयनित चुप्पियों के समय में राजनीतक दलों का रवैया दोमुंहा हो जाता है। टीवी डिबेट्स में राजनीतिक दलों की महिला प्रवक्ता भी उक्त प्राध्यापक का बचाव करते नजर आ रहे हैं। यह तर्क भी कितने गलीज हैं कि दूसरे दल के लोगों पर भी आरोप लगे हैं। इससे गहरी राजनीतिक संवेदनहीनता प्रकट होती है। आपको इसलिए छोड़ दिया जाए क्योंकि प्रतिपक्ष पर भी ऐसे आरोप हैं। नैतिकता और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर स्त्री सम्मान के लिए सभी को खड़ा होना चाहिए। सांसद को हम लोकतंत्र का मॉडर मानते हैं। वहां बैठे सांसदों से उच्च नैतिक आचरण की अपेक्षाएं बेमानी नहीं हैं। हालात इतने बदतर हैं कि गंभीर आरोपों से घिरे लोग अकसर संस्थागत जांच की वैधता पर सवालिया निशान लगाकर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास करते हैं। इस मामले में भी यही दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर

जेएनयू प्रशासन का यह दावा कि उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए आंतरिक समिति की रिपोर्ट के आधार पर सांसद-प्राध्यापक पर कार्यवाई की गई है। यह साबित करता है कि राजनीतिक पदों की धमक से ऊपर अब संस्थागत नियमों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

लक्ष्मण रेखा खींचने की जरूरत- विश्वविद्यालयों के परिसरों में वैचारिक विमर्श हो। संवाद हो। किंतु वे ताकतवर लोगों के लिए सुरक्षित शरणगाह नहीं बनें। लक्ष्मण रेखा खींचने की जरूरत है। इस पर शिक्षकों को विचार करना होगा। अपने गिरेबां में झांकना होगा। शिक्षा परिसरों में पुलिस डेरा डाल रही है। उनकी स्वायत्तता और सम्मान आज हाशिए पर है। राजनीतिक दलों से जुड़ी अपनी आस्थाओं के कारण अगर शिक्षक अपनी भूमिका से समझीता करेंगे, तो उनका सम्मान बच नहीं सकता। विचारधारा और देशद्रोही विचारों के आधार पर चलने वाली शक्तियां परिसर को तो कलंकित करायीं। शिक्षकों के सम्मान को आहत करेगी। जेएनयू में कई वर्षों से चल रही भारत विरोधी गतिविधियों को रोकने, संभालने और अपने युवाओं को सही राह दिखाने की कोशिशें होतीं तो यह आज नासुर बनकर न फूट रही। सवाल सीधा है कि जेएनयू में हर देशद्रोही को स्पेस क्यों मिल जाता है ? कोई भी विचार तभी तक स्वीकार्य है, जब तक हमारी अकादमिक योग्यताओं को निखारने और संवर्धित करने में सहायक हो। जो विचार पेश देश तोड़ने और उसके टुकड़े करने के स्वप्न देखे उसका मिट जाना ही ठीक है।

संस्थागत जवाबदेही जरूरी- अब जबकि स्त्रियों के सम्मान का मामला सामने है, तब ‘जेएनयू के क्रांतिकारियों’ की चयनित चुप्पियां सवाल के घेरे में हैं। यह प्रकरण अपने पद का दुरुपयोग करते हुए छात्राओं के उत्पीड़न का है। यह गुरु-शिष्य संबंधों को प्रभावित करता है। छात्राओं को भयभुक्त वातावरण प्रदान करना शासन- विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है।

लेखक- मासजलाल वतुवट्टी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संसार कवचविद्यालय, भोपाल में जनसंसार विभाग के अध्यक्ष हैं। भारतीय जनसंघार संस्थान के महानिदेशक रहे हैं।

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1792: महाराजा गुलाब सिंह का जन्म-जम्मू और कश्मीर रियासत के संस्थापक और डोगरा राजवंश के पहले महाराजा गुलाब सिंह जामवाल का जन्म हुआ था।
- 1972: स्वदेशी हेलीकॉप्टर का परीक्षण-भारत के पहले बहुदेशीय हेलीकॉप्टर 'एस ए 315' का बेंगलुरु में सफल परीक्षण किया गया था।
- 1980: पहली हिमालयन कार रैली-भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय स्तर की 'हिमालयन कार रैली' को मुंबई (बॉम्बे) के ब्रेबोर्न स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था।
- 1998: भारत-पाकिस्तान परमाणु सुरक्षा समझौता-भारत और पाकिस्तान एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु खतर्नों को कम करने और पारंपरिक जोखिमों को रोकने के उपायों पर सहमत हुए थे।
- 2004: चंदन तस्कर वीरप्पन का अंत-दशकों तक भारत सरकार और पुलिस के लिए चुनौती बना खूंखार चंदन तस्कर और डकैत वीरप्पन तमिलनाडु की स्पेशल टास्क फोर्स के साथ एक मुठभेड़ में मारा गया था।
- 1950: अभिनेता ओम पुरी का जन्म - भारतीय सिनेमा और हॉलीवुड में अपने सशक्त अभिनय की छाप छोड़ने वाले महान अभिनेता ओम पुरी का जन्म पंजाब के पटियाला में हुआ था।
- 1009: चर्च ऑफ द होली सेपल्चर का विनाश झ्र यरुशलम में स्थित ईसाइयों के सबसे पवित्र स्थलों में से एक, चर्च ऑफ द होली सेपल्चर को फातिमी खलीफा अल-हाकिम बी-अम्र अल्लाह के आदेश पर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया था।
- 1386: हीडलबर्ग विश्वविद्यालय की स्थापना-जर्मनी के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित हीडलबर्ग विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी।
- 1685: एंडिक्ट ऑफ नाट्रेस का निरसन- फ्रांस के राजा लुई चौदहवें ने 'एंडिक्ट ऑफ फॉनटेनब्लो' जारी कर 'एंडिक्ट ऑफ नाट्रेस' को रद्द कर दिया, जिससे फ्रांसीसी प्रोटेस्टेंटों के सभी धार्मिक अधिकार खत्म गए।
- 1851: 'मोबी-डिक' उपन्यास का प्रकाशन- हरमन मेलविल का प्रसिद्ध और कालजयी अमेरिकी उपन्यास 'मोबी-डिक' पहली बार लंदन में 'द व्हेल' नाम से प्रकाशित हुआ था।

कविता

कैसा फिर संन्यास

तन पर चोला साधु का, मन में भरा विकार।
कैसे होगा मुक्त वह, मन में हो संसार।
लिफ़ रहे निलिप्त बन, ओढ़े धर्म लिबास।
मन से मोह न मिट सके, कैसा फिर संन्यास ॥

वस्त्र बदलने से भला, बदल सके क्या चित्त।
मन में लोभ-विकार हो, कैसे हो वह निलिप्त ॥
माला लेकर हाथ में, मन में भरा विकार।
कैसे भव से पार हो, अगर हो छल अपार ॥

ल्याग दिखावा कर रहे, मन में भरा ममत्व।
कैसे संभव हो भला, निर्मल आत्मत्व ॥
काया पर वैराग्य है, मन में भोग-विलास।
ऐसे झूठे त्याग से, कैसे मिटे पिपास ॥

धर्म ध्वजा लेकर चलें, मन में भेद हजार।
कैसे मानवता बचे, जब मन ही बीमार ॥
बाहर से निर्मल दिखें, भीतर मैला भाव।
ऐसे पाखंडों तले, दम तोड़े सद्भाव ॥

आडंबर की ओट में, पलता रहे अहंकार।
कैसे सच्चा त्याग हो, मन में हो व्यापार ॥
साधन बदले, वेश भी, बदला नहि स्वभाव।
कैसे नव निर्माण हो, जब मन में दुर्भांव ॥

मन की नग्न विकारिता, होती तन पर भार।
भीतर शुचिता हो तभी, जीवन में उजियार ॥
मोह मिटे, ममता घटे, निर्मल हो अहसास।
तभी सार्थक साधना, तभी सच्चा संन्यास ॥



डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखक



डॉं घनश्याम बादल

धर्म का मूल्य कर्म से तय होता है, कर्मकांड की भव्यता से नहीं। यदि नवरात्र में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करें, लेकिन बाकी दिनों में स्त्री की इच्छा, सहमति, शिक्षा, संपत्ति, रोजगार और स्वतंत्र निर्णय के अधिकारों की उपेक्षा करें, तो हमारी भक्ति अधूरी ही नहीं, आत्मवंचना भी है। कन्या पूजन का सबसे बड़ा अर्थ किसी बच्ची के पांव धोना नहीं, यह सुनिश्चित करना है कि उसके सपनों पर पहरा न हो, उसके शरीर पर उसकी सहमति के बिना कोई अधिकार न जमाए।

नवरात्र चल रहे हैं। मंदिरों में घंटाध्वनि हैं, घरों में दुर्गा सप्तशती पाठ हो रहे हैं, कन्याओं के पांव पखारे जा रहे हैं और मंचों से नारी शक्ति के जयकारे लग रहे हैं। देवी के नौ रूपों का महिमा का बखाना तो ठीक है लेकिन देश में स्त्री की अस्मिता, सुरक्षा और सम्मान के सवाल पर समाज की धीमी धीमी आवाज बड़े सवाल खड़े करती है। एक तरफ देवी के सामने सिर झुकाने की होड़ है, दूसरी तरफ जीवित स्त्री को झुकाने, दबाने और चुप कराने का सिलसिला जारी है। सवाल है कि हम शक्ति की आराधना कर रहे हैं या अपने पाखंड को धार्मिक आवरण पहना रहे हैं ? उत्तराखंड की मंत्री रेखा आर्य से जुड़ी वैवाहिक शिकायतों की खबरें इस विरोधाभास को और तीखा बनाती हैं। यदि सत्ता में बैठी एक महिला को भी अपने वैवाहिक संबंध में कथित शोषण, उत्पीड़न और धोखे के आरोप लेकर शिकायत दर्ज कराने की जरूरत पड़ती है, तो आम स्त्री को मुश्किलों का अनुमान लगाना कठिन नहीं। इन आरोपों की सच्चाई का फैसला जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही होना चाहिए लेकिन शिकायत का सामने आना ही उस सामाजिक व्यवस्था पर सवाल उठाता है, जिसमें विवाह को स्त्री के लिए सुरक्षा का प्रमाणपत्र मान लिया जाता है और उसके भीतर होने वाले कथित अन्याय को अक्सर घर की चारदीवारी में दफन कर देने की सलाह दी जाती है।

पद, प्रतिष्ठा और राजनीतिक रसूख किसी महिला को हर परिस्थिति में सुरक्षित नहीं बना सकते, तो उस स्त्री को स्थिति क्या होगी जिसके पास न प्रभाव है, न पैसा और न ही अपनी बात सुने जाने का भरोसा ? उसके लिए न्याय की राह कितनी लंबी और अकेली होगी ?

विर्दबना देखिए कि जिस समय नवरात्र में कन्या पूजन के



लिए छोटी बच्चियों को खोजा जाता है, उसी समाज में बच्चियों के यौन शोषण की चर्चा करते समय आंकड़ों का जिक्र नहीं है। जिस कन्या को देवी का रूप कहकर भोजन कराया जाता है, उसके लिए घर, स्कूल, सड़क और सार्वजनिक स्थान कितने सुरक्षित हैं ? पूजा के दिन उसके पांव धोने वाले हाथ क्या शेष दिनों में उसकी स्वतंत्रता और इच्छा का सम्मान करते हैं ? यदि बच्ची को अपनी ही दुनिया में भय के साथ जीना पड़े, तो कन्या पूजन की पवित्रता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। स्त्री के प्रति अपराधों की चर्चा करते समय आंकड़ों की शुद्धता भी जरूरी है। किसी अपराध के बढ़ने या घटने का दावा प्रमाणित आंकड़ों से होना चाहिए। लेकिन आंकड़ों की बहस से वह सच्चाई नहीं मिटती कि यौन हिंसा, घरेलू उत्पीड़न, पीछा करना, सार्वजनिक अपमान और महिलाओं की आवाज दबाने की घटनाएं समाज के सामने गंभीर चुनौती बनी हुई हैं। दर्ज मामलों की संख्या पूरी तस्वीर नहीं बताती; बदनामी, परिवार का दबाव, आर्थिक निर्भरता और पुलिस-न्याय व्यवस्था की लंबी प्रक्रिया अनेक महिलाओं को शिकायत करने से भी रोकती है।

और यह समस्या केवल घरों तक सीमित नहीं है। जन आंदोलनों में महिला पत्रकारों और आंदोलनकारी

महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार, धक्का-मुक्की, मारपीट या दमन की तस्वीरें सामने आती हैं, तो लोकतंत्र का दावा भी कठघरे में खड़ा होता है। किसी आंदोलन से असहमति हो सकती है, उसकी मांगें अувचित भी हो सकती हैं, लेकिन क्या इससे महिला पत्रकार के काम करने के अधिकार या प्रदर्शनकारी महिला की गरिमा को कुचलने का लाइसेंस मिल जाता है ? कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है, अपमानित करना नहीं। वहीं की ताकत का अर्थ नागरिक की आवाज दबाना नहीं, उसके अधिकारों की रक्षा करना है।

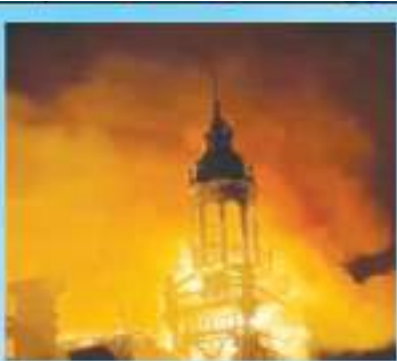
महिला की स्वतंत्रता का सवाल सत्ता और विपक्ष, दोनों की परीक्षा लेता है। विपक्ष में रहते हुए महिलाओं के सम्मान को दुहाई देना आसान है; सत्ता में आने पर उसी कसौटी पर खरा उतरना कठिन। किसी एक दल, विचारधारा या समुदाय को स्त्री के प्रति समूचे अन्याय का ठेकेदार बताकर बाकी समाज को निर्दोष नहीं ठहराया जा सकता। स्त्री के प्रति भेदभाव को जड़ें परिवार, परंपरा, राजनीति, बाजार और संस्थाओं तक फैली हैं। कहीं उसे परिवार की इज्जत के नाम पर बांधा जाता है, कहीं संस्कृति की रक्षा के नाम पर उसकी पसंद पर पहरा बैठाया जाता है और कहीं उसकी पीड़ा को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाता है।

इसी पृष्ठभूमि में मेरठ का चर्चित निले इम दाला हत्याकांड भयावह सवालों के साथ सामने आता है। इस मामले में दो अभियुक्तों को फांसी की सजा सुनाए जाने की खबर ने अपराध की क्रूरता और न्याय की जरूरत पर ध्यान खींचा है। ऐसे मामलों में कठोर दंड की मांग स्वाभाविक है लेकिन यह भी याद रखना होगा कि किसी अपराध के बाद मृत्युदंड सुना दिया जाना अपने आप में महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी नहीं बन जाता।



8 लाख लोग फ्रांस में महंगाई के खिलाफ सड़कों पर

फ्रांस में बढ़ती महंगाई और इंधन की कीमतों के विरोध में 8 लाख लोग सड़कों पर उतरे। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी पेरिस में राष्ट्रपति भवन एलिज़े पैलेस से महज 400 मीटर दूर प्रदर्शनकारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया और गतिध्वंस में आग लगा दी। करीब 12 सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यहाँ, लिमोज शहर में नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने टाउन हॉल में आग लगा दी।



इससे 143 साल पुरानी इमारत लगभग पूरी तरह तबाह हो गई। देश के कई हिस्सों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बनी रही। फ्रांस में करीब एक महीने से प्रदर्शन चल रहे हैं। शुरुआत स्कूली छात्रों के विरोध से हुई थी, जो धीरे-धीरे सामाजिक आंदोलन में बदल गया है।

सितंबर में भारत, तुर्किये और बुनेई की रिफाइनरियों से करीब 1 अरब यूरो के उत्पाद प्रतिबंध लगाने वाले देशों में पहुंचे

रूसी तेल से भारत का कारोबार चमका उत्पादों की बिक्री 43% बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है और इसी तेल को अपनी रिफाइनरियों में प्रोसेस करके तैयार पेट्रोलियम उत्पाद पश्चिमी देशों को बेच रहा है। सितंबर 2026 में भारत, तुर्किये और बुनेई की रिफाइनरियों से उन देशों को करीब 1 अरब यूरो यानी 1.2 अरब डॉलर के तेल उत्पाद भेजे गए, जिन्होंने रूस पर प्रतिबंध लगा रखे हैं। यह कारोबार अगस्त के मुकाबले 43 फीसदी बढ़ गया। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

जामनगर रिफाइनरी सबसे आगे यूरोप तक पहुंचा भारतीय तेल

इस पूरे कारोबार में रिलीफर्स इंटरनैशनल की गुजरात स्थित जामनगर रिफाइनरी सबसे आगे रही। सितंबर में यूरोपीय संघ (EU) के बंदरगाहों पर पहुंचे सात जहाजों में से छह में इसी रिफाइनरी के तेल उत्पाद थे। इटली को तीन, रोमानिया को दो और स्पेन व साइप्रस को एक-एक खेप मिली। जामनगर से छेजल की करीब 1.04 लाख टन की एक बड़ी खेप रॉटरडैम के रास्ते में भी थी।



यूरोपीय संघ ने जनवरी 2026 से रूस के कच्चे तेल से तैयार पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर रोक लगा रखी है। इसके बावजूद कुछ देशों की रिफाइनरियों से तैयार उत्पाद पश्चिमी बंदरगारों तक पहुंच रहे हैं। सीआरईए के मुताबिक, सितंबर में यूरोपीय संघ ने

इन रिफाइनरियों से 66.7 करोड़ यूरो, ऑस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो और अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो के उत्पाद खरीदे। न्यूजीलैंड की खरीद 1.9 करोड़ यूरो रही। रिपोर्ट का अनुमान है कि इनमें से 29.5 करोड़ यूरो के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से बने थे।

सीआरईए ने नियमों में बदलाव की उम्मीद मांग

रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा नियमों में एक ऐसी गुंजाइश है, जिसका फायदा उठाकर रूसी तेल से बने उत्पाद दूसरे देशों में बेचे जा सकते हैं। सीआरईए ने सुझाव दिया है कि जिस रिफाइनरी में घिसले छह महीनों के दौरान रूसी कच्चा तेल प्रोसेस हुआ हो, वहां के उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि, यह संस्था की सिफारिश है, यूरोपीय संघ की घोषित नई नीति नहीं।

भारत की रूसी तेल खरीद में आई गिरावट

सितंबर में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात अगस्त के मुकाबले 13 फीसदी घट गया। जामनगर में 27 फीसदी, इंडियन ऑयल की पारादीप रिफाइनरी में 21 फीसदी और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में 8 फीसदी की कमी दर्ज हुई। इसके बावजूद वाडिनार रूसी तेल खरीदने के मामले में जामनगर से आगे निकल गई। भारत की कुछ अन्य रिफाइनरियों ने भी खरीद घटाई, जबकि आईओसी के मुंद्रा अधिल टर्मिनल पर सितंबर में 5.70 लाख टन रूसी तेल पहुंचा।

रूस के लिए भारत अब भी बड़ा ग्राहक

सितंबर में भारत ने रूस से कुल 410 करोड़ यूरो के ऊर्जा उत्पाद खरीदे। इसमें 360 करोड़ यूरो का कच्चा तेल शामिल था। बाकी रकम कोयले और पेट्रोलियम उत्पादों पर खर्च हुई। रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात में दिसंबर 2022 से अब तक भारत की हिस्सेदारी 37 फीसदी रही है, जबकि चीन की हिस्सेदारी 50 फीसदी है। शिपलेवकी का मानना है कि भारत की खरीद में कमी की वजह सिर्फ अमेरिकी दबाव नहीं, बल्कि रूस से तेल की सीमित उपलब्धता और चीन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी है।

न्यूज़ ट्रेक

यूपी में दर्दनाक हदसः डिवाइडर तोड़कर पलटी थीर, तीन की मौत



सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। नागल के बेलड़ा जुनाएदर के पास गोल चक्कर पर रथियार तड़के एक तेज रफ्तार थार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में आगरा के तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान साहिल तिवारी (25), राक्षम उपाध्याय (22) और राहुल कुमार (24) के रूप में हुई है। साहिल तिवारी आगरा के शांतिनगर कमना नगर के निवासी थे। राक्षम उपाध्याय आगरा के रेक्स बाग के रहने वाले थे। राहुल कुमार आगरा की तेहड़ी बगिया के निवासी थे।

सीएम योगी ने पंडालों में सुरक्षा के लिए डीएम को फील्ड में रहने के लिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में दुर्गा पूजा पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी पुलिस कमिश्नर,



जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को पंडालों में सुरक्षा इंतजामों की जांच करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। निर्देशों के तहत सभी अधिकारी दुर्गा पंडालों में अग्नि सुरक्षा के इंतजामों की जांच करेंगे। जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान प्रवेश व निकास द्वारों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही, आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पर्याप्त इमर्जेंसी एजेंट की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी मुठभेड़ में गिर तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में विजयनगर पुलिस ने शनिवार देर रात दुष्कर्म के मामले में दो आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक नाबालिग को बहलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। मामले में पुलिस ने शनिवार देर रात ही केस दर्ज किया है। सीपी उपासना पंडेय के मुताबिक, पुलिस की चेकिंग के दौरान जल निगम प्लांट के पास बाइक पर दो व्यक्ति सदिच्छ लगे। रोकने का इशारा करने पर दोनों बाइक मोड़कर फरार होने लगे। इसी दौरान बाइक का सलूलन बिगड़ने से दोनों नीचे गिर गए। पुलिस को अपनी तरफ आतं देख उन्होंने पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में दोनों के पैरों में गोली लगी। पकड़े गए आरोपी चमन कालोनी निवासी मुस्तकीम और सिद्धार्थ बिहार निवासी प्रदीप हैं।

ग्रेटर नोएडा: 5 की मौत के मामले में नया मोड़, महेश की दो बहन और बहनोई पर केस

ग्रेटर नोएडा। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्धनगर जिले के ग्रेटर नोएडा के खपुरा में शनिवार को एक हो परिवार के पांच लोगों की सदिच्छ मौत के मामले में नया मोड़ आया है। मृतक महेश के साले की पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर महेश को दो बहनों और एक बहनोई के खिलाफ प्रताड़ना के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक महेश ने मौत से पहले अपने फोन में वाइस नोट लिफ्ट कर लिया था। इस लिफ्टिंग में महेश ने अपनी दो बहनों और एक बहनोई को परिवार की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान पुलिस के हाथ मृतक महेश का मोबाइल लगा है, जिसमें एक कथित ऑडियो लिफ्टिंग मिलने की बात सामने आ रही है। चर्चा है कि इस ऑडियो में महेश ने कुछ परिचितों को अपनी और अपने परिवार की मौत का जिम्मेदार ठहराया है।



झारखंड: नकाबपोशों ने की सीसीएल कर्मों की हत्या, पत्नी को बनाया बंधक!

रांची। एजेंसी

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की आगपाली परियोजना में कार्यरत डाटा एंटी ऑपरेटर मंगलेश पाल की गिद्धे स्थित उनके क्वार्टर में घुसकर दो नकाबपोश अपराधियों ने धारदार हथियार से बेहमी से हत्या कर दी। शनिवार देर रात हुई इस सनसनीखेज वारदात के दौरान अपराधियों ने उनकी पत्नी सोनाली को बंधक बना लिया। अपराधियों ने सोनाली के हाथ बांध दिए और मुंह पर टेप चिपका दिया, ताकि वह मदद के लिए शोर न मचा सके। वास्तव को अंजाम देने के बाद नकाबपोश दो मोबाइल फोन और जेवरों के लुटकर फरार हो गए। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। मृतक की पत्नी सोनाली के अनुसार, घटना के समय दोनों पति-पत्नी क्वार्टर में बैठकर मोबाइल देख रहे थे। उसी दौरान अचानक दो अज्ञात नकाबपोश बदमाश जबरन अंदर घुस आए। बदमाशों ने तुरंत दंपती को पकड़ लिया और महिला के हाथ बांधकर मुंह पर टेप चिपका दिया। इसके बाद हमलावरों ने मंगलेश पाल पर धारदार हथियार से हमला कर उनकी निर्मम हत्या कर दी।

विकास

चिप्स, नूडल्स के नाम पर बिक रहे मिलेट्स फूड में फाइबर-मिनरल गायब

शिमला। एजेंसी

हेल्दी मिलेट्स (मोटा अनाज) के नाम पर बाजार में बिक रहे खाद्य पदार्थ सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। बाजार में इन्हें अल्ट्रा प्रोसेस कर मिलेट्स कुकुरे, चिप्स, बिस्कुट, नूडल्स, सूप बनाकर बेचा जा रहा है। मिलेट्स फूड की रासायनिक और कई मशीनों प्रक्रिया से गुजरने के बाद रेडी टू ईट बनाया जा रहा है। इनमें स्वाद और आकर्षक रंग बढ़ाने के लिए पाम ऑयल, आर्टिफिशियल फ्लेवर और उच्च तापमान का इस्तेमाल भी किया जाता है। ऐसे उत्पादों को स्वास्थ्यवर्धक बताकर महंगे दामों पर बेचा जा रहा है। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) शिमला के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के चिकित्सक डॉ. अमित सचदेवा के शोधपत्र में मिलेट्स की प्रोसेसिंग से जुड़े इन पकटुओं को सामने रखा गया है।



सामान्य तरह से उपलब्ध चीजें ही बेहतर

मोटे अनाज में आयरन, कैल्शियम, विटामिन, फाइबर समेत अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह मोटापा, शुगर और गंभीर बीमारियों से भी बचाते हैं। बाजरा, ज्वार, कंगनी, रागी, चना, करेदा समेत अन्य मोटा अनाज को आटा फॉर्म या प्राकृतिक रूप में खाना बेहतर होता है। मशीनों से गुजरने के बाद इसका अल्ट्रा प्रोसेस शुरू हो जाता है।

रेडी टू ईट खाद्य पदार्थ बनाने से आवश्यक पोषक तत्व खत्म: शोध

शोधपत्र के अनुसार रेडी टू ईट खाद्य पदार्थ बनाने से आवश्यक पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं और हेल्दी मिलेट्स फूड बनता है पदार्थ सेहत सुधारने की बजाय बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। इसमें न केवल फाइबर और मिनरल की कमी होती है बल्कि विटामिन व अन्य पोषक तत्व भी न के बराबर रह जाते हैं। दूसरी ओर, पैकेट बंद दुनिया व अन्य मोटे अनाज की चमक बढ़ाने को की जा रही पॉलिशिंग भी सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो रही है। यह भी सामने आया है कि मिलेट्स से बना आटा व अन्य फ़दार्थों में भी कई प्रकार की कमियाँ हैं। कारखानों में मोटे अनाज से बनाए आटे को फ़काने में आसान बनाने के लिए ऊपरी चोकर, अंकुर व अन्य बाहरी पदार्थों को पूरी तरह छील दिया जाता है। इससे प्राकृतिक फाइबर और माइक्रो-न्यूट्रिएंट्स नष्ट हो जाते हैं और सिर्फ स्टार्च बचता है।

तीन बच्चे और दो महिलाओं सहित कई लोग फंसे

छत्तीसगढ़: इंद्रावती नदी में बाढ़ में फंसे 12 लोगों का वायु सेना ने किया रेस्क्यू



रायपुर। एजेंसी

इंद्रावती नदी में आई बाढ़ में फंसे 12 लोगों को भारतीय वायु सेना की मदद से बचा लिया गया है। बाढ़ में फंसे लोगों में तीन बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल थीं। ये लोग बाढ़ की वजह से रात भर फंसे रहे। बचाव के लिए मिले काल के बाद ये बचाव अभियान जगदलपुर से संचालित किया गया। नदी में तेजी से बढ़ते जलस्तर की वजह से लोगों को बाहर जाने का खतरा नहीं मिल पाया और वो फंस गए। इसके बाद वायु सेना की मदद से पसआई-17वी5 हेलीकॉप्टर से इन लोगों को बचाया गया।

इससे पहले भी डूब चुके हैं गांव

इससे पहले सितंबर में आए बाढ़ की वजह से गांव डूब चुके थे। इस बार प्रशासन काफी अलर्ट है और इलाके में रहत और बचाव कार्य चला रहा है। जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में

काम कर रहे डॉक्टर अभिजीत साहू ने बताया कि बाढ़ के कारण हर घंटे जलस्तर बढ़ रहा है। इनके बीच हम लोगों को इलाज देने की कोशिश कर रहे हैं। पानी में भोगने के कारण बच्चों को सर्दी जुकाम और बुखार हो गया है।

कैसे गरुड़ कमांडो ने बचाया

बचाव अभियान में लगे सेना के अधिकारियों ने बताया कि डोंगाघाट गांव में कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना पर खोजबीन शुरू की गई। वहां पर जब सेना के जवान पहुंचे तो कच्ची डोंगपट्टी की छत पर कुछ लोगों को देखा। इसके बाद गरुड़ कमांडो की छत पर उतर कर लोगों को ऊपर हेलीकॉप्टर में खींच कर बैठाया गया। उन्होंने बताया कि पानी के बढ़ते स्तर की वजह से मकान के गिरने का खतरा बना हुआ था लेकिन किसी तरह हम उन्हें बचाने में कामयाब रहे।

लोकदेश सार

अजय देवगन के बंगले पर चला मुंबई नगर निगम का हथौड़ा



● **मुंबई।** बॉलीवुड फिल्म अभिनेता अजय देवगन के जुहू स्थित बंगले में हुए अवैध निर्माण कार्य पर शनिवार को मुंबई नगर निगम की टीम ने शनिवार को तोड़फोड़ की कार्रवाई की। यह कार्रवाई अजय देवगन को मुंबई नगर निगम की ओर 10 सितंबर को जारी नोटिस के बाद की गई है। इस नोटिस में मुंबई नगर निगम ने अजय देवगन को बंगले में किए गए अवैध निर्माण को खुद हटाने का निर्देश दिया था। मुंबई नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि जुहू में रोड नंबर 11 पर स्थित की कपोल कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी में अजय देवगन और उनकी मां वीणा देवगन का यह बंगला 7,802 वर्ग फुट पर बना है।

24 अक्टूबर तक सऊदी अरब की सभी उड़ानों पर लगाया ब्रेक



● **नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में हूती विद्रोहियों के हमलों के चलते बढ़ते तनाव को देखते हुए एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने सऊदी अरब के लिए अपनी सभी उड़ानों के अस्थायी निलंबन को 24 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दिया है। इस फैसले के कारण जेद्दा, रियाद और दम्माम जाने वाली तथा वहां से आने वाली सभी उड़ान सेवाएं बाधित रहेंगी। एयरलाइन ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुरक्षा और मौजूदा हालात को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। विमानन कंपनी ने यात्रियों की सुविधा और लचीलापन देने के उद्देश्य से एक ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है।

मक्का मस्जिद में अश्लील हरकत बांग्लादेशी जोड़े को मौत की सजा

● **रियाद।** सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को फांसी दी गई है। सऊदी की अदालत ने दोनों को पवित्र शहर मक्का की एक मस्जिद के अंदर अश्लील हरकत करने का दोषी पाया था और सजा-ए-मौत दी थी। इनमें एक पुरुष और एक महिला है। सऊदी अरब के गृह मंत्रालय ने बताया कि बुधवार 14 अक्टूबर को उनकी फांसी की सजा पर अमल किया गया। फांसी दिए जाने से पहले ढाका के वाणिज्य दूतावास को इस बारे में कोई सूचना नहीं दी गई थी। सऊदी प्रेस एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि दोनों व्यक्तियों की पहचान नजरूल इस्लाम अब्दुल बशीर और सिति अख्तर के रूप में की है। दोनों बांग्लादेश नागरिक हैं। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा अधिकारियों ने मक्का की एक मस्जिद के अंदर अनैतिक कृत्य करने के आरोप में इस जोड़े को गिरफ्तार किया था।

कनाडा में सैन्य अड़े पर धमाका, कई सैनिक मारे गएःरक्षा मंत्री बोले- ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा; यहां 1300 कर्मचारी तैनात थे

अल्बर्टा कनाडा के अल्बर्टा के सैन्य अड़े पर शनिवार को जोरदार धमाके के बाद आग लग गई। इसमें कई सैनिक और कर्मचारी मारे गए। रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्ट्री ने हादसे की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ‘मैंने ऐसा दर्दनाक दृश्य पहले कभी नहीं देखा।’ मृतकों और घायलों की संख्या फिलहाल नहीं बताई गई है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया पर इसे गंभीर घटना बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार और स्थानीय प्रशासन साथ मिलकर राहत और बचाव के काम में जुटी है। इस सैन्य अड़े पर 1300 से ज्यादा सैनिक और कर्मचारी काम करते हैं।

डॉक्टर बोले- स्वास्थ्य केंद्र मरीजों से



भरे स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, विस्फोट के बाद तेज हवाओं के कारण आग सैन्य अड़े के आसपास तेजी से फैल गई। कई

इलाकों से दमकलकर्मों आग बुझाने के लिए पहुंचे।

रॉयल एलेक्जेंड्रा अस्पताल के इमरजेंसी डॉक्टर वॉरेन थिर्सक ने इसे 15 से 25



साल में एक बार होने वाली बड़ी आपदा बताया। उन्होंने कहा कि मरीजों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि शहर के स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह भर गए। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि धमाका कैसे हुआ और आग लगने

की वजह क्या थी। रक्षा मंत्री मैकगिन्ट्री ने कहा कि कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस घटना की जांच कर रही है।

यह कनाडा का सबसे व्यस्त सैन्य अड़ा है

अल्बर्टा में यह सैन्य अड़ा कनाडा के अहम आर्मी ट्रेनिंग कैंपस में से एक है। यहां सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार किया जाता है। यहां कनाडियन मैजुदर ट्रेनिंग सेंटर भी

है, जहां जवान युद्ध के मैदान जैसी परिस्थितियों में ट्रेनिंग लेते हैं। इसके अलावा, यहां तीसरे कनाडाई डिवीजन के सैनिकों को भी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है।

अमेरिका ने मदद रोकी तो यूक्रेन का क्या होगा

रूस। रूस से करीब 5 साल से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के सामने अब नई मुसीबत खड़ी हो गई है। जिस अमेरिका के हथियारों और खुफिया जानकारी के दम पर यूक्रेनी सेना रूसी हमलों का मुकाबला कर रही है, उसी के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। ट्रम्प ने महज एक सप्ताह में 4 ऐसे कदम उठाए, जिनसे यूक्रेन की मुश्किलें बढ़ गईं। अब सवाल है कि अगर ट्रम्प ने यूक्रेन को सैन्य मदद और खुफिया जानकारी देना बंद कर दिया, तो उसकी सेना का क्या होगा? क्या यूक्रेन अमेरिकी मदद के बिना रूस का मुकाबला कर पाएगा? और ट्रम्प के बदले रुख से पुतिन को कितना फायदा मिल सकता है?

9 अक्टूबर: डीजल की बढ़ी कीमतों के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध को जिम्मेदार ठहराया

ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन युद्ध को अमेरिका में डीजल की बढ़ती कीमतों की वजह बताया। इसके बाद उन्होंने रूसी डीजल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों में अस्थायी राहत दी। उनका कहना था कि इससे ईंधन की कीमतें कम करने में मदद मिलेगी। यह फैसला इसलिए अहम है, क्योंकि रूस तेल और गैस की बिक्री से बड़ी कमाई करता है। इस कमाई से उसे युद्ध का खर्च उठाने में भी मदद मिलती है। रूसी ईंधन की बिक्री पर राहत मिलने से माँस्को को आर्थिक फायदा हो सकता है।

10 अक्टूबर: जेलेंस्की से कहा- नया राष्ट्रपति चुनो

अगले दिन ट्रम्प ने सीधे जेलेंस्की के नेतृत्व पर सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को नया राष्ट्रपति चुनना चाहिए, जो रूस के साथ समझौता करके युद्ध खत्म कर सके। ट्रम्प का आरोप था कि जेलेंस्की के पास युद्ध खत्म करने के कई मौके थे।

फ्रांस में महंगाई के खिलाफ 8 लाख लोग सड़कों पर:राष्ट्रपति भवन से 400 मीटर दूर हिंसक प्रदर्शन, कई शहरों में आगजनी-लूटपाट

पेरिस। फ्रांस में बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों के विरोध में शनिवार को 8 लाख लोग सड़कों पर उतरे। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी पेरिस में राष्ट्रपति भवन एलिज़े पैलेस से महज 400 मीटर दूर प्रदर्शनकारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया और गाड़ियों में आग लगा दी। करीब 12 सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

वहीं, लिमोज शहर में नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने टाउन हॉल में आग लगा दी। इससे 143 साल पुरानी इमारत लगभग पूरी तरह तबाह हो गई। देश के कई हिस्सों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बनी रही।

फ्रांस में करीब एक महीने से प्रदर्शन चल रहे हैं। शुरुआत स्कूली छात्रों के विरोध से हुई थी, जो धीरे-धीरे सामाजिक



आंदोलन में बदल गया है। वेतन और पेंशन बढ़ाना महंगाई कम करना सरकारी सेवाओं को बेहतर बनाना स्कूलों में शिक्षकों की कमी और जर्जर इमारतों को ठीक करना एक छोटे से स्कूल से शुरू हुआ आंदोलन, देशभर में फैला

21 सितंबर को पेरिस के लाइसी सेंट-एक्सपेरी स्कूल के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। यह स्कूल ऐसे इलाके में है जहां बेहद गरीब लोग रहते हैं। छात्रों की मांग थी कि स्कूल में शिक्षकों और संसाधनों की कमी दूर की जाए।

29 सितंबर को प्रशासन ने स्कूल में अतिरिक्त स्टाफ भेजा जिसके बाद हड़ताल खत्म हो गई, लेकिन तब तक दूसरे इलाकों में भी विरोध शुरू हो चुका था। सिर्फ 8 दिन में आंदोलन 410 स्कूलों तक फैल चुका था।

इसके बाद विश्वविद्यालयों के छात्र भी आंदोलन में शामिल हो गए। छात्रों को उनके माता-पिता, शिक्षकों और मजदूर संगठनों का भी समर्थन मिला।

5 अक्टूबर को उत्तरी फ्रांस के लेंस

शहर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस के एक ग्रेनेड से 15 साल के एक लड़के का हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसे काटना पड़ा। इस घटना ने पुलिस की सख्त कार्रवाई को लेकर लोगों के गुस्से को और बढ़ा दिया

फ्रांस में इससे पहले स्कूली छात्रों के किसी आंदोलन में इतनी बड़ी संख्या में हिंसक घटनाएं नहीं देखी गई थीं। अब तक देशभर में हुई झड़पों में 200 से ज्यादा दिन में आंदोलन 410 स्कूलों तक फैल चुका था।

अब तक 6,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें ज्यादातर नाबालिग थे। बाद में उन्हें बिना किसी आरोप के रिहा कर दिया गया।

बांग्लादेश के रिजॉर्ट में आग, 10 की मौत: 6 लोग एक ही परिवार के

■ **एजेंसी, ढाका**

बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी जिले कॉक्स बाजार में शनिवार सुबह एक समुद्र तटीय रिसॉर्ट में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत होने की सूचना है। जबकि नौ लोग घायल हो गए। आग सुबह करीब 6:30 बजे इतनी इलाके में स्थित टुपटुप रेस्टो एंड रिसॉर्ट में लगी। यह रिसॉर्ट मरीन ड्राइव पर पटुआरेटक बीच के पास है। दमकल विभाग के प्रवक्ता तह्दा बिन जासिम ने दोपहर करीब 1:30 बजे मृतकों की संख्या की पुष्टि की।

यह तीन मंजिला रिसॉर्ट मुख्य रूप से बांस और लकड़ी से बना था।

■ **एजेन्सी, इस्लामाबाद।**

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान भी नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो की तरह देश छोड़ सकते हैं। पाकिस्तान के विपक्षी नेता महमूद खान अचकजई ने यह दावा किया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, परखूनख्या मिली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता अचकजई ने शुक्रवार को पेशावर हाई कोर्ट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) भी इसी तरह की राजनीतिक व्यवस्था में शामिल हैं। अचकजई ने कहा, ‘आज जब पीएमएल-एन और पीपीपी सत्ता में हैं, तो ठीक वैसा ही हो रहा है।’

अचकजई के साथ तहरीक-ए-तहफुज-ए-आईन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) के नेता सरदार अख्तर मंगल और



अचकजई ने क्या मांग की ?

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अचकजई ने कैदियों की मुलाकातों पर लगी पाबंदियों की आलोचना की और एक ऐसे बदलाव की मांग की जिसे उन्होंने गलत संशोधन बताया। उन्होंने संसद की और अधिक अधिकार देने और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र आयोग बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा, ‘दुनिया में कहीं भी कैदियों को लोगों से मिलने से नहीं रोका जाता है।’ उन्होंने तर्क दिया कि संसद को मजबूत किए बिना राजनीतिक विवादों को हल नहीं किया जा सकता। उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री और अन्य विधायकों के ठिकाने को लेकर भी चिंता जताई और अधिकारियों से मुख्यमंत्री के स्थान का खुलासा करने की मांग की। उन्होंने कहा, ‘हम खैबर पख्तूनख्वा के लोगों के साथ खड़े हैं। इस प्रांत के खजिनों पर यहां के लोगों का पहला अधिकार है।’

अल्लामा राजा नासिर अब्बास भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल एक-दूसरे के संपर्क में हैं और जल्द ही एक सर्वदलीय सम्मेलन बुलाया जाएगा। उन्होंने यह भी

कहा कि विधानसभाओं से इस्तीफा देना अभी भी एक विकल्प है। उन्होंने बताया कि बातचीत के प्रस्ताव के जवाब में विपक्ष ने अपनी मांगें सौंप दी हैं।

उत्तर कोरिया ने एआई तकनीक से लैस हाई-स्पीड टॉरपीडो का किया परीक्षण

■ **एजेंसी, सियोल**

उत्तर कोरिया ने अपनी नौसैनिक सैन्य क्षमता मजबूत करने की दिशा में एक और कदम उठाने का दावा किया है। उसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक से लैस नए हाई-स्पीड प्रिसिजन-गाइडेड टॉरपीडो का पानी के नीचे परीक्षण किया है। प्योंगयांग ने इसे अपनी नौसेना के विकास में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप ने उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी



(केसीएनए) के हवाले से बताया कि, उत्तर कोरिया ने गुरुवार को जैम-2.0 नामक सुपर-स्पीड प्रिसिजन-गाइडेड टॉरपीडो हथियार प्रणाली का परीक्षण किया। इसका उद्देश्य हथियार में किए गए तकनीकी सुधारों की पुष्टि करना था।

शोध में खुलासा

समुद्र में मिली 9000 साल पुरानी आदिवासियों की बस्ती

■ **एजेन्सी, कैनबरा**

समंदर के नीचे 9,000 साल पुरानी रहस्य मय आदिवासी बस्ती होने का दावा किया जा रहा है। यहां मिले पत्थर के औजारों से एक्सपर्ट को अहम जानकारी मिली है। रिसर्च से पता चलता है कि यहां कभी मीठे पानी का कोई झरना था और यह जगह शायद आदिवासी समुदायों के इकट्ठा होने के लिए थी। यह जगह 9,000 साल पहले समुद्र में डूब गई थी। कई एक्सपर्ट का मानना है कि यहां मिली वस्तुएं उससे भी ज्यादा पुरानी हो सकती हैं। ये खोज उत्तर-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के मुरुजुगा में हुई हैं। शोधकर्ताओं को पानी के नीचे दो जगहों पर पत्थर की 21 चीजें मिली हैं। क्वाटरनरी साइंस रिव्यूज में छपी रिपोर्ट के



अनुसार, जो जगहें आज समुद्र की सतह से 11 से 15 मीटर नीचे हैं, वे कभी मीठे पानी के झरनों, नदियों और पथरीली पहाड़ियों वाले इलाके का हिस्सा हुआ करती थीं। इस शोध से पता चलता है कि ऑस्ट्रेलिया की

प्राचीन आदिवासी विरासत आज के समुद्र तट से कहीं आगे तक फैली हुई है। समुद्र में दूर जाने पर शायद और भी पुराने पुरातात्विक साक्ष्य मिल सकते हैं, जिनकी अभी खोज होनी बाकी है। पिछले हिम युग के दौरान समुद्र का जलस्तर आज की तुलना में काफी नीचे था, जिससे ऑस्ट्रेलिया के तट पर जमीन का बड़ा हिस्सा बाहर था। आदिवासी समुदाय इन इलाकों में आते-जाते थे, मीठे पानी के स्रोतों का इस्तेमाल करते थे और अपने औजार बनाने के लिए पत्थर इकट्ठा करते थे। हिम युग खत्म हुआ और समुद्र का जलस्तर बढ़ा तो जमीन समुद्र में डूब गई और पुरानी नदियां और झरने लहरों के नीचे दब गए।

मुरुजुगा में शोधकर्ताओं ने दो ऐसी जगहों की जांच की, जहां उस पुराने पर्यावरण के

निशान मौजूद हैं। पहली जगह WH2 फ्लाइंग फोम पेसेज में पानी के नीचे डूबे एक मीठे पानी के झरने के पास है। गोताखोरों को वहां पत्थर की नौ वस्तु मिलीं। इनमें कुछ ऐसे पत्थरों से बनी चीजें हैं, जो उस इलाके में नहीं पाए जाते।

दूसरी जगह पर क्या मिला

दूसरी जगह मैटलैंड रिवर हर्मांक मैटलैंड नदी के पुराने रास्ते के पास पथरीले टीले पर स्थित है। यहां 12 वस्तु मिलीं, जिनमें पत्थर के टुकड़े हैं, जो औजार बनाने की प्रक्रिया में निकलते हैं। यह दिखाता है कि लोग यहां कच्चा माल लेने और औजार बनाने के लिए आते होंगे। हजारों सालों तक पानी के नीचे रहने के बावजूद पत्थर के इन औजारों पर ऐसे कोई खास निशान नहीं हैं।

राशिफल

मेघ:आज दिल की भावनाएं कुछ ज्यादा ही गहराई से महसूस होंगी।

वृष:आज छोटी-छोटी वचतें आपके बड़े सपनों को पूरा करने में मददगार साबित हो सकती हैं।

मिथुन:आज कार्यक्षेत्र में आपकी समझदारी और सतर्कता आपको दूसरों से आगे रख सकती है।

कर्क:आज कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

सिंह:आज रिश्तों में प्यार और अपनापन बढ़ाने का अच्छा अवसर है।

कन्या:आज धैर्य और समझदारी से काम लेने पर कई उलझनें सुलझ सकती हैं।

तुला:आज का दिन भले ही सामान्य रहे, लेकिन सेहत के मामले में लापरवाही न करें।

वृश्चिक:आज अपनी सेहत को प्राथमिकता देना जरूरी होगा। शरीर में होने वाली छोटी-मोटी परेशानी को अनदेखा करने के बजाय समय पर ध्यान दें।

धनु:आज जिम्मेदारी निभाने और अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने का अवसर मिल सकता है।

मकर:आज संपत्ति खरीदने या निवेश करने को लेकर आपके मन में गंभीर विचार आ सकते हैं।

कुंभ:आज आपकी मेहनत और लगन ही सफलता की असली कुंजी बनेंगी।

मीन:आज का दिन दोस्तों, खुशियों और अच्छे पलों के नाम रह सकता है। मित्रों के साथ समय बिताने और मनपसंद भोजन का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।



कच्चे तेल के दाम फिर से सातवें आसमान पर, 110 डॉलर प्रति बैरल हुआ भाव

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच कच्चे तेल का दाम फिर सातवें आसमान पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मई के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई हैं। क्रूड के भाव में यह बढ़ोतरी मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों की वजह से देखने को मिल रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में रविवार को ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव 3.94 डॉलर यानी 3.72 फीसदी उछलकर 109.9 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। मई के बाद पहली बार ब्रेंट ऑयल का रेट इस स्तर पर पहुंचा है। वहीं, कारोबार के अंत में डब्ल्यूटीआई (वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट) 3.44 डॉलर यानी 3.51 फीसदी की तेजी के साथ

101.4 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ है।

अमेरिकी सरकार ने रूस और ईरान से सबसे अधिक तेल और गैस खरीदने वाले पांच देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने से राहत दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'सैनक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' (ग्रेहम एक्ट) के तहत रूस और ईरान से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के प्रावधानों पर अस्थायी राहत की घोषणा की।

आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट और रूस-यूक्रेन जंग के चलते कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित होने का जोखिम निरंतर बढ़ रहा है। इस साल पहले ही सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 7.5 प्रति लीटर तक इजाफा किया है।

एफएसएसएआई ने सूर्या फूड एंड एग्रो, डोडला डेयरी के खिलाफ की कार्रवाई

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन के लिए प्रियागोल्ड बिस्कुट बनाने में पशुओं के चारे वाले चोकर का उपयोग करने के लिए सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने शनिवार को एक्स पोस्ट में बताया कि खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन के लिए सूर्या फूड एंड एग्रो लिमिटेड, डोडला डेयरी और यूईआईआर ऑर्गेनिक फूड्स के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई। नियामक ने इन तीनों कंपनियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन को लेकर अभियोजन की कार्रवाई शुरू किए जाने की जानकारी दी।

एफएसएसएआई के अनुसार प्रियागोल्ड बिस्कुट बेचने वाली भारतीय एफएमसीजी कंपनी सूर्या फूड एंड एग्रो के संयंत्र का निरीक्षण उपभोक्ताओं

की शिकायत के बाद किया गया।

कंपनी के निरीक्षण में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी कई गंभीर खामियां सामने आईं। एफएसएसएआई ने कहा, पशु चारे के लिए बने चोकर का इस्तेमाल प्रियागोल्ड बिस्कुट बनाने में फाइबर के स्रोत के तौर पर कच्चे माल के रूप में किया जा रहा था।

यह वोकर इंसानों के खाने के लिए नहीं था

नियामक ने कहा कि चोकर से भरी बोरियों पर स्पष्ट रूप से अंकित था कि यह सामग्री पशु चारे के लिए है, जो मानव उपभोग के लिए नहीं बना है।

पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में ये 1.24 फीसदी था

एचडीएफसी बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा 5.55 फीसदी बढ़कर 20,700 करोड़ रुपये पर

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े एवं निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने रविवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे की घोषणा कर दी है।

बैंक का सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 5.55 फीसदी बढ़कर 20,700 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 19,611 करोड़ रुपये रहा था।

एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 4.7 फीसदी उछलकर 19,510 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। वहीं, बैंक की कुल आय पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के 91,040 करोड़ रुपये से बढ़कर जुलाई-सितंबर में 97,258 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि बैंक का कुल खर्च 63,117 करोड़ रुपये से बढ़कर 67,774 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

बैंक ने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान प्रावधानों और आकस्मिकताओं के लिए अलग रखी गई राशि मामूली बढ़कर 3,573.62 करोड़

बैंक की वित्तीय सेहत को दर्शाने वाले प्रमुख संकेतकों की चाल

ब्याज से शुद्ध आय (एनआईआई): बैंक की एनआईआई सालाना आधार पर 9.7 प्रतिशत बढ़कर 34,620 करोड़ रुपये हो गई। जो पिछले साल समान तिमाही में 31,550 करोड़ रुपये थी। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम): समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का निवल ब्याज मार्जिन कुल परिसंपत्तियों पर 3.16 प्रतिशत और ब्याज-अर्जित परिसंपत्तियों पर 3.32 प्रतिशत रहा।



रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 3,500 करोड़ रुपये थी। बैंक ने कहा कि ट्रेजरी प्रदर्शन को छोड़कर, कर पश्चात लाभ (पीएटी) में सालाना आधार पर 12.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

एचडीएफसी बैंक ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात सुधरकर 1.11 फीसदी पर आ गया, जो पिछली तिमाही में 1.17 फीसदी और पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में ये 1.24 फीसदी था। बैंक का समग्र पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 30 सितंबर, 2026 तक 18.9 फीसदी रहा।

वित्त मंत्रालय ने आईडीबीआई में सरकार की हिस्सेदारी से संबंधित विधायी घटनाक्रमों पर दिया स्पष्टीकरण

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आईडीबीआई बैंक में सरकार की हिस्सेदारी से जुड़े जुड़े कानूनी और विधायी घटनाक्रमों पर स्पष्टीकरण जारी किया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को मीडिया रिपोर्टों में आई उन टिप्पणियों और विचारों के जवाब में स्पष्टीकरण जारी किया है, जिनमें 2003 में आईडीबीआई बैंक में सरकार की हिस्सेदारी से संबंधित विधायी घटनाक्रमों पर सवाल उठाए गए थे। मंत्रालय ने अपने स्पष्टीकरण में कहा कि आईडीबीआई (निरसन) अधिनियम-2003 का विधायी इतिहास, दिल्ली उच्च न्यायालय के एक फैसले और लगातार आम वजट भाषण से आईडीबीआई बैंक



के रणनीतिक विनिवेश की दिशा में सरकार की नीति के क्रमिक विकास का पता चलता है।

वर्ष 2003 में आईडीबीआई (निरसन) अधिनियम को लेकर हुई संसदीय चर्चा के दौरान सरकार की हिस्सेदारी में कमी को सीमित करने के लिए संशोधन का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया था। यह संशोधन अंततः लागू कानून का हिस्सा नहीं बना। मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है।

डाक कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस का ऐलान

60 दिन के वेतन के बराबर रकम मिलेगी, खातों में आएंगे अधिकतम 13,816 रुपए

सरकार ने डाक विभाग के कर्मचारियों के लिए इस साल के परफॉर्मेंस लिंकड बोनस की घोषणा कर दी है। डाक विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, कर्मचारियों को 60 दिन यानी 2 महीने के वेतन के बराबर बोनस दिया जाएगा।

सवाल जवाब में इस मामले से जुड़ी हर जानकारी

सवाल 1=सरकार ने डाक विभाग के कर्मचारियों के लिए क्या बड़ी घोषणा की है?

जवाब= केंद्र सरकार ने 2025-26 के लिए डाक विभाग के कर्मचारियों को बोनस देने का ऐलान किया है। संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने 16 अक्टूबर 2026 को इसका ऑर्डर जारी कर दिया है। इसके तहत पात्र कर्मचारियों को 60 दिनों के वेतन के बराबर बोनस मिलेगा।

सवाल 2= इस बोनस का फायदा किन-किन कर्मचारियों को मिलेगा?

जवाब= इस फैसले से डाक विभाग के इन कर्मचारियों को फायदा होगा-रूप सी, नॉन-गजेटेड रूप बी और स्लॉस् कर्मचारी।

गांव-देहात में काम करने वाले ग्रामीण डाक सेवक (ब्रष्टर)। फुल-टाइम और अस्थायी केजुअल

लेबरर्स (दिहाड़ी/अस्थायी कर्मचारी)।

सवाल 3= कर्मचारियों के ह्राथ में अधिकतम कितना बोनस आएगा?

जवाब= अधिकतम सैलरी की सीमा 7,000 प्रति महीना तय की गई है। अगर किसी की बेसिक सैलरी और भत्ते मिलाकर इससे ज्यादा भी हैं, तो भी कैलकुलेशन 77,000 पर ही होगा। इस हिसाब से कर्मचारियों को अधिकतम ₹13,816 का बोनस मिलेगा।

सवाल 4= बोनस का हिसाब कैसे लगाया जाएगा?

जवाब= बोनस निकालने का फॉर्मूला काफी आसान है- बोनस राशि = (औसत सैलरी म 60 दिन) 30.4 यहां 30.4 को महीने के औसत दिन माना गया है।

सवाल 5= बोनस के कैलकुलेशन में कौन-कौन से भत्ते जोड़े जाएंगे?

जवाब= नियमित कर्मचारियों की सैलरी का हिसाब लगाते वक्त उनकी बेसिक पे, महंगाई भत्ता (घ्र), एसबी अलाउंस, डेपुटेशन अलाउंस और ट्रेनिंग अलाउंस को एक साथ जोड़ा जाएगा।

सवाल 6= ग्रामीण डाक सेवकों (ब्रष्टर) को बोनस कैसे मिलेगा? जवाब= ग्रामीण डाक सेवकों को मिलने वाले ड्रष्टर और महंगाई भत्ते (घ्र) का पूरे साल का औसत निकाला जाएगा। अगर यह

77,000 महीने से ज्यादा बैठता है, तो भी इसे 77,000 ही माना जाएगा। यानी ग्रामीण डाक सेवकों को भी अधिकतम ₹13,816 तक का बोनस मिलेगा।

सवाल 7= जो कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं या नौकरी छोड़ चुके हैं, क्या उन्हें भी पैसा मिलेगा?

जवाब= हां, बिल्कुल। जो कर्मचारी 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच रिटायर हुए हैं, जिन्होंने इस्तीफा दिया है या जिनका दूसरे विभाग में ट्रांसफर हुआ है, उन्हें भी उनके काम किए गए दिनों के हिसाब से बोनस का पैसा मिलेगा।

सवाल 8= क्या छुट्टी लेने या अनुपस्थित रहने पर बोनस कटेगा? जवाब= हां, अगर किसी कर्मचारी ने बिना वेतन वाली छुट्टी ली है या किसी अवधि को काम से गैरहाजिर माना गया है, तो जितने दिन छुट्टी होगी, उसी अनुपात में बोनस की रकम कट जाएगी।

सवाल 9= पार्ट-टाइम या बीच में भर्ती हुए डाक सेवकों के लिए क्या नियम है?

जवाब= किसी की जगह पर अस्थाई रूप से काम करने वाले डाक सेवकों को इसका फायदा नहीं मिलेगा। अगर कोई डाक सेवक साल के बीच में भर्ती हुआ है या बीच में ही नौकरी छोड़ी है, तो उसे सिर्फ उतने ही महीनों का आनुपातिक बोनस मिलेगा जितने महीने उसने काम किया है।

लोन चुकाने के बाद सिबिल स्कोर घट रहा

नया लोन रिजेक्ट हो सकता है, जानें सिबिल रिपोर्ट सही करने की प्रोसेस

नई दिल्ली। अगर आपने अपने लोन की पूरी किस्तें चुका दी हैं और बैंक से नो-ड्यूज सर्टिफिकेट (हहह) भी मिल गया है। फिर भी आपकी सिबिल रिपोर्ट में वह लोन %एक्टिव% या बकाया दिख रहा है, तो संभल जाएं।

जब भी आप नए लोन के लिए अप्लाई करते हैं, तो बैंक सबसे पहले आपकी ेडिट रिपोर्ट चेक करते हैं। अगर पुराना लोन रिपोर्ट में खुला दिखेगा, तो बैंक समझेगा कि आप पर अभी भी कर्ज है। इससे आपका नया लोन अटक सकता है या रिजेक्ट भी हो सकता है।

1. सबसे पहले लोन बंद होने के कागज चेक करें

ेडिट रिपोर्ट सुधरवाने की शुरुआत करने से पहले यह पक्क । कर लें कि बैंक के रिकॉर्ड में आपका लोन पूरी तरह बंद हुआ है या नहीं। नो-ड्यूज सर्टिफिकेट (NOC): बैंक से मिला हहह लोन बंद होने का लेटर या जीरो बैलेंस वाला स्टेटमेंट संभालकर रखें।

पेमेंट की रसीद: आखिरी किस्त भरने की रसीद और बैंक पासबुक में एंट्री का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें।

ष्टयभद्रसं और ऋह्रह्रसं में अंतर: अगर आपने पूरा पैसा भरा है तो रिपोर्ट में %ष्टयभद्रसं% दिखेगा। लेकिन अगर आपने बैंक से बातचीत करके कुछ पैसा कम करवाया है, तो



%ऋह्रह्रसं% दिखेगा। इसका असर आपके सिबिल स्कोर पर पड़ता है।

गाड़ी के लोन के लिए जरूरी काम: कार या बाइक का लोन खत्म होने पर बैंक का बकाया चुकाने के बाद ष्ट से बैंक का नाम हटवाना न भूलें।

2. बैंक से संपर्क करें और लिखित सबूत मांगें

क्रेडिट ब्यूरो (जैसे खुद से कोई रिकॉर्ड नहीं बदलते; वे वही जानकारी दिखाते हैं जो बैंक उन्हें भेजते हैं)।

इसलिए बैंक से बात करना बहुत जरूरी है।

बैंक से संपर्क करें: अपनी बैंक शाखा जाएं या बैंक के ऑफिशियल कस्टमर केंद्र नंबर पर बात करें। जरूरी कागज दिखाएं: बैंक को अपना लोन अकाउंट नंबर, लोन बंद होने की तारीख और हहह की कॉपी दें।

लिखित में पुष्टि मांगें: बैंक से लिखित में (या ईमेल पर) यह सबूत मांगें कि आपका लोन बंद हो चुका है और इसकी जानकारी सिबिल को भेज दी

गई है।

शिकायत नंबर संभांलें: अपनी शिकायत का रेफरेंस नंबर और ईमेल संभांलकर रखें। सिर्फ जुबानी आश्वासन पर भरोसा न करें।

3. CIBIL की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत करें

अगर बैंक से बात करने के बाद भी ेडिट रिपोर्ट में गलती ठीक नहीं होती है, तो आप सीधे CIBIL की वेबसाइट पर शिकायत कर सकते हैं: गलत जानकारी चुनें: CIBIL की वेबसाइट पर जाएं, अपना लोन अकाउंट चुनें और जहां गलती है (जैसे लोन का 'Active Status' या बकाया रकम), उस पर मार्क करें। कागज अपलोड करें: अगर पोर्टल पर ऑप्शन मिले, तो अपनी हहह या लोन बंद होने के लेटर की फोटो/पीडीएफ अपलोड करें और 'Dispute Number' नोट कर लें।

30 दिन का समय: सिबिल आपके कहने पर जुरंत एंट्री नहीं हटाता; वह



समुद्र में लगजरी क्लब, 50 हजार वर्गफीट में फैला है इसका डेक

लगजरी कारों के लिए मशहूर मैक्स अब समुद्र में भी आलीशान जीवनशैली का अनुभव देने की तैयारी में है। कंपनी मैक्स ओशन क्लब बना रही है। ये सुपरयॉट पर प्रॉवेंट मैम्बरशिप वाला क्लब होगा। यॉट के करीब 50 हजार वर्गफीट में फैले डेक पर खुले समुद्र के नजारे, एकांत में बैठने की जगहें और आराम के खास इंतजाम होंगे। मैक्स ओशन क्लब केवल एक सुपरयॉट नहीं,

इन्फिनिटी पूल और लकड़ी की टेरेस होगी

यॉट के पिछले हिस्से में इन्फिनिटी पूल और लकड़ी से बनी मल्टीलेवल टेरेस होगी। यहां लोग तैरेंगे, धूप में आराम और समुद्र के नजारे का आनंद ले सकेंगे। आलग-अलग स्तरों पर बने डेक खुलेआम के साथ निजी तौर पर समक बित्तने की जगह भी देंगे। कंपनी की समुद्री इंजीनियरिंग से जुड़ी विरासत 1920 के दशक तक जाती है, जब मैक्स की तकनीकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल कारों, विमानों और नावों के इंजनों में हुआ था। अब ओशन क्लब इसी विरासत

बलिक अपने सदस्यों के लिए सामाजिक मेलजोल का ठिकाना भी होगा। इसकी सदस्यता के जरिए लोग समुद्र में खुदियां बिताने के साथ समान रुचियों वाले लोगों से जुड़ सकेंगे। क्लब की अवधारणा में निजी समय, शिर्तों और दुनिया को करीब से अनुभव करने की अहमियत दी गई है। इसका उद्देश्य समुद्री यात्रा को सामान्य फर्यटन से अलग एक खास जीवनशैली का अनुभव बनाना है।

को आधुनिक लगजरी के साथ जोड़ने की अवधारणा पेश करता है। इसके बाहरी और आंतरिक डिजाइन में खास तौर पर चुनी गई सामग्री, रंगों और कारीक कारीगरी का इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में यॉट की कीमत, संचालन शुरू होने की तारीख और सदस्यता शुल्क का विवरण नहीं दिया गया है। यह क्लब उन लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है, जो समुद्री यात्रा के साथ लखनौ, सुकून और खास सामाजिक अनुभव चाहते हैं।

गेम की दुनिया में रात गुजार सकेंगे लोग, 2027 में खुलेगा दुनिया का पहला माइनक्राफ्ट होटल

माइनक्राफ्ट एक वीडियो गेम है, जिसमें डिजिटली वर्ल्ड की मदद से घर, इमारतें और पूरी दुनिया बना सकते हैं। अब इस डिजिटल दुनिया को असल ज़िंदगी में अनुभव करने का मौका मिलेगा। लंदन के पास 'चैरिंगटन वर्ल्ड ऑफ एंटरटेनर्स थीम पार्क' में 2027 में दुनिया का पहला माइनक्राफ्ट थीम वाला होटल खुलेगा। चार मंजिला होटल में 69 कमरे होंगे, जहां गेम जैसा माहौल, किरदारों और बनवट के बीच ठहरने का अनुभव मिलेगा। करीब 50 मिलियन पाउंड (करीब 600 करोड़ ₹.) की इस परियोजना में होटल के साथ गेम पर आधारित थीम पार्क और दुनिया की पहली माइनक्राफ्ट रोलरकोस्टर राइड भी तैयार की जा रही है।

अलग जोन में ठहरने का अनुभव

होटल में मेहमानों को माइनक्राफ्ट की अलग-अलग दुनिया का अनुभव मिलेगा। रिसैप्शन पर ब्लॉक जैसे पेड़ और जानवर गेम के ओवरवर्ल्ड यानी सामान्य दुनिया का अहसास कराएंगे। लिफ्ट को नेदर पोर्टल की तरह पर तैयार किया जाएगा, जबकि गरिबारी में खानों जैसी सुगंधों का अनुभव मिलेगा। कमरों में गेम के ब्लॉक, क्रिस्टल, रंगों और बनवट का इस्तेमाल होगा। होटल का डिजाइन इस तरह तैयार किया जा रहा है कि गेम खेलने वाले बच्चों से लेकर वयस्क तक को इसमें ठहरना एक अलग अनुभव लगे। होटल में गेम की थीम पर आधारित बतिविधियां भी आकर्षण का केंद्र होंगी।



अंडरवॉटर थीम वाला रेस्तरां, जंगल के महल जैसा बार



होटल में खाने-पिने की व्यवस्था भी गेम की दुनिया से प्रेरित होगी। यहां समुद्र के जीव-जंतुओं और

पानी के नीचे के ज़िहन से प्रेरित रेस्तरां बनाया जाएगा। वहीं बार को गेम के सुल्लैड मेंशन रानी जंगल के महल जैसा रूप दिया जाएगा। वहां पोपम कानी गेम में इस्तेमाल होने वाले जादुई रीस से प्रेरित रंगीन ड्रिक्स परोसी जाएंगी। होटल के डिजाइन में गेम के अलग-अलग खायों कानी प्राकृतिक परिवेशों को शामिल किया जाएगा। इससे ठहरने के साथ खाने-पिने का अनुभव भी गेम की कहानी का हिस्सा बनेगा।

पहला माइनक्राफ्ट रोलरकोस्टर भी यहां

होटल के साथ तैयार हो रहे माइनक्राफ्ट वर्ल्ड थीम पार्क में दुनिया की पहली माइनक्राफ्ट रोलरकोस्टर राइड भी होगी। इसका नाम 'एक्स्पेड द नेदर' रखा गया है। इसमें लोग तेज रफ़्तार के साथ घर के भीतर कनी अंधेरी खानों जैसे सुरंगों से गुजरेंगे। इसके बाद राइड नेदर पोर्टल से बाहर निकलकर ओवरवर्ल्ड की थीम जल्लें जगह पर पहुंचेगी। थीम पार्क में परिवारों के लिए मनोरंजक राइड, गेम से जुड़ी गतिविधियां, खरीदारी और खाने-पिने की सुविधाएं भी होंगी।

परियोजना पर 50 मिलियन पाउंड खर्च

इस पूरी परियोजना को मॉर्लेन एंटरटेनमेंट्स और मोजंग स्टूडियोज मिलकर तैयार कर रहे हैं। मॉर्लेन एंटरटेनमेंट्स लेफ्लैंड, आल्टन टाक्स और थॉप पार्क जैसे मनोरंजन स्थलों का संचालन करती है, जबकि मोजंग स्टूडियोज माइनक्राफ्ट गेम बनाने वाली कंपनी है। करीब 50 मिलियन पाउंड की इस परियोजना के तहत थीम पार्क और होटल दोनों को 2027 में शुरू करने की योजना है। इस परियोजना में माइनक्राफ्ट की डिजिटल दुनिया को वास्तविक अनुभव में बदलने पर जोर दिया जाएगा। यहां आने वाले लोग गेम की दुनिया को करीब से देख सकेंगे और उसमें हिस्सा लेने का अनुभव भी ले सकेंगे।



वेनिस में अनोखे बुक स्टोर, जहां किताबें गोंडोला, बाथटब और नाव में रखी जाती हैं

इटली के वेनिस में एक ऐसा बुक स्टोर है, जहां किताबें अलमारीयों में नहीं, बल्कि नाव, गोंडोला और बाथटब में रखी जाती हैं। दुकान के अंदर एक पूरी गोंडोला नाव किताबों से भरी हुई है। कहीं कहीं बाथटब में रखी हैं, तो कहीं बाल्टियों और टेलीफोनबुक्स में मनी हैं। पहली नजर में यह नज़ारा किसी आम किताबों की दुकान से निकल अलग लगता है। इस दुकान का नाम 'लिब्रेरिया एक्वा अल्टा' है। यहां नई और पुरानी किताबों के साथ नक्शे, पत्रिकाएं और दुर्लभ किताबें भी मिलती हैं। दुकान में किताबों को इस तरह रखा गया है कि ब्राह्मक अलग-अलग जगहों पर उन्हें तलाश सकें। यहां किताबें खरीदने आने वाले लोगों को किताबों का संग्रह देखने के साथ-साथ उन्हें खोजने का भी अनोखा अनुभव मिलता है।

किताबों के ढेर से बनी सीढ़ियां, ऊपर से दिखती नहर



लिब्रेरिया एक्वा अल्टा नाम इस दुकान की एक खास पहचान पीछे की और बनी किताबों की सीढ़ियों हैं। यहां पानी से छत्राव हो चुकी किताबों को एक के ऊपर एक

रखकर सीढ़ियों जैसा आकार दिया गया है। इन पर चढ़कर दीवार के पार नहर का नज़ारा देखा जा सकता है। दुकान में एक अनोखा निकास द्वार भी है, जो सैबे नहर की ओर खुलता है। हालांकि, यह रास्ता पर्यटकों के लिए किसी सामान्य निकास तैरा नही, बल्कि दुकान की विविध बनावट का हिस्सा है। यहां अलग-अलग विधाओं की नई और पुरानी किताबें रखी गई हैं। दुकान में बिल्लियों भी घूमती और किताबों के ढेर पर आराम करती गुजर आ सकती हैं।

खास स्याही से बना टैटू, जरूरत पर दिखेगा भी और छिपेगा भी



टैटू बनवाने के बाद उसे हटवाना दर्दभरा और महंगा हो सकता है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने ऐसी स्याही विकसिल की है, जिससे टैटू को रोशनी की मदद से दिखाना और गायब किया जा सकता है। फोटो टैट नाम की इस तकनीक में स्याही त्वचा में बनी रहती है, लेकिन उसकी डिजाइन दिखाने या गायब हो सकती है। अमेरिका की कोलोराडो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक कार्मन ड्यूय और उनके टीम ने इसे शिक्किम किया है। फोटो टैट में नीले, मैग्नेटा और पीले रंग की खास स्याही इस्तेमाल होती है। इसमें ऐसे रंग हैं, जो अलग-अलग तरह की रोशनी पड़ने पर अपना रंग बदलते हैं।

36S मैग्नेटोपॉर वाली अल्ट्राव्हायलेट (यूवी) एलईडी लाइट डालने पर करीब 2-3 सेकंड में टैटू दिखाने देते लगता है। सामान्य कमरे की रोशनी में इसका रंग कई घंटे से लेकर कुछ दिन तक गायब रह सकता है। इस तकनीक में स्याही त्वचा में रहती है, लेकिन तेज धूप पड़ने पर टैटू के रंग कुछ ही सेकंड में गायब हो सकते हैं। वैज्ञानिकों के परीक्षण में स्याही के अलग-अलग रंग 1.4 से 2.2 साल तक इस तरह सक्रिय और निष्क्रिय किए जा सकें। अलग-अलग रोशनी से टैटू के कुछ हिस्सों को दिखाने और बाकी को छिपाने की संभावना भी है।

नौकरी और मेडिकल इलाज में उपयोगी

यह तकनीक उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है, जो नौकरी या परिवार के सामने अपना टैटू छिपाना चाहते हैं। मेडिकल क्षेत्र में फैसले के रेडिएशन इलाज के दौरान मरीज की त्वचा पर बनाए जाने वाले स्थायी निशानों को भी जरूरत के समय दिखाकर बाव में छिपाया जा सकता है। फिलहाल फोटो

टैट की रंगीनी स्याही मेडिकल परीक्षाओं के बाद चिकित्सकों के लिए उपलब्ध है। इसकी छोटी कोलन की कीमत करीब 100 डॉलर यानी लगभग 9,000 रुपये बताई गई है। बाकी रंगों को बाज़ार में लाने और लागत घटाने पर काम जारी है। अगले चलकर यह तकनीक टैटू के इस्तेमाल का तरीका बदल सकती है।

जापान का अनोखा बर्फ, एक छोटे टुकड़े की कीमत 110 रु. तक

जापान में बर्फ जमना भी एक खास हुनर है। इशिकावा प्रांत के कनाजव शहर में कारीगर पानी को 48 से 72 घंटे तक धीरे-धीरे जमाकर 'फरदाई' बर्फ बनाते हैं। फिर इसे बेलकन, चौकर और आयताकार टुकड़ों में काटा जात है। एक टुकड़े की कीमत 200 येन यानी करीब 110 रुपये तक होती है। अमेरिका से ऑर्गेनिक तक लगजरी कार इसे खरीदते हैं, क्योंकि यह सामान्य बर्फ के मुकाबले धीरे पिघलती है और फ्रिजिडर का स्वाद लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करती है।

तीन दिन में तैयार होती है ये बर्फ बर्फ जमाने के दौरान पानी की अशुद्धियां बीच की और जमा होती हैं। कारीगर इस पानी को निकलकर उसकी जगह ताजे पानी को भरते हैं। लगातार पानी को गति में रखने से हवा के बुलबुले हटाने में भी मदद मिलती है। इस प्रक्रिया से बर्फ कांच जैसी साफ दिखाने देती है। जापानी भाषा में इसे 'जुनप्यो' कहा जात है। आमतौर पर घर में बर्फ कुछ घंटे में जम जाती है, जबकि इस तकनीक में बर्फ को जमाने में दो से तीन दिन लगते हैं। एक बार बर्फ जमाने के बाद कारीगर बड़े-बड़े बर्फ के ब्लॉक को काटकर मनचाहा आकार देते हैं। इन्हें खास बिल्लाम में फिट होने के हिसाब से भी बनाया जा सकता है। यैकिंग के बाद बर्फ को शुल्च से 10 डिग्री नीचे के तापमान पर रखा जाता है।



विदेशों में भी इसकी मांग बढ़ रही

चेहरे जिनके जिक के बिना दुनिया अधूरी “ अगर खुद पर भरोसा है, तो आगे बढ़िए और दुनिया को गलत साबित कर दीजिए। ” -डॉ. इरविन मार्क जैकब्स



इरविन ने सीडीएमए तकनीक से दिया तेज इंटरनेट का आधार

डॉ. इरविन मार्क जैकब्स अमेरिका के मशहूर इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, उद्यमी और दिग्गज चिप निर्माता कंपनी 'क्वालकॉम' के सह-संस्थापक हैं। आज यह स्मार्टफोन प्रोसेसर, 5G मॉडेम और वायरलेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा और ताकतवर नाम है।

शिक्षा

जैकब्स ने 1956 में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बैचुएशन की डिग्री ली। इसके बाद मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में 1957 में मास्टर डिग्री और 1959 में डॉक्टरेट (डीएससी) की उपाधि पूरी की।

योगदान : जब पूरी दुनिया मोबाइल नेटवर्क के लिए पुरानी तकनीकों पर भरोसा कर रही थी, तब जैकब्स ने 'सीडीएमए' तकनीक पर दांव लगाया। उनके इस ऐतिहासिक कदम ने 2G और 3G मोबाइल क्रांति की नींव रखी, जिसकी बदौलत आज अरबों लोग स्मार्टफोन पर तेज इंटरनेट और कॉलिंग की सुविधा इस्तेमाल कर पा रहे हैं।

होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई छोड़ पकड़ा इंजीनियरिंग का रास्ता

जैकब्स का जन्म मैसाचुसेट्स के न्यू बेडफोर्ड में हुआ था। स्कूल के दिनों में जब वे करियर चुन रहे थे, तो उनके गाइडेंस काउंसलर ने सलाह दी कि स्टाइस और इंजीनियरिंग में कोई खास भविष्य नहीं है, इसलिए होटल मैनेजमेंट करो। जैकब्स ने बात मानकर कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के होटल एडमिनिस्ट्रेशन कोर्स में एडमिशन ले लिया। लेकिन कुछ ही समय बाद जब रुममैनेजर्स ने उनके कोर्स का मजकूर उड़ाया, तो जैकब्स ने तुरंत अपना रास्ता बदला और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में शिफ्ट हो गए, पीएचडी करने के बाद वे कभी प्रोफेसर बन गए।

दोस्त के साथ मिलकर कंपनी बनाई, वॉलमार्ट जैसे बड़े क्लाइंट जुड़े

एमआईटी और फिर यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन डिएगो में कई साल पढ़ाने के बाद जैकब्स ने क्लासरूम से बाहर कुछ बढ़ा करने का मन बनाया। 1968 में उन्होंने अपने साथी एंड्रयू चिटनॉ के साथ मिलकर 'लिंक्वॉट' कंपनी शुरू की। यह कंपनी सैटेलाइट और डिफेंस प्रोजेक्ट्स पर काम करती थी। वॉलमार्ट जैसे बड़े क्लाइंट इनके साथ जुड़े। 1980 में इसे एक बड़ी कंपनी को बेच दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि लिंक्वॉट से निकले पैसों से जैकब्स और आईडियाज ने आगे चलकर अकेले सैन डिएगो शहर में 100 से ज्यादा टेक्नोकॉम कंपनियों को जन्म दिया।

शुरुआत में ट्रकों के लिए बनाया सैटेलाइट ट्रैकिंग सिस्टम

जुलुबई 1985 में जैकब्स, चिटनॉ और उनके पांच साथियों ने मिलकर एक नई कंपनी बनाई। उन्होंने बेहतर संचार देने के बदे के साथ इसका नाम क्वालकॉम रखा। शुरुआत में कंपनी ने ट्रकों के लिए सैटेलाइट ट्रैकिंग सिस्टम 'ओपनटैक्स' बनाया, जिससे शहरे पर लौटने ट्रकों को लोकेशन और पैकेजिंग आसान हो गई। ओपनटैक्स की सफलता के बाद कंपनी ने मोबाइल फोन और नेटवर्क के बीच बेहतर संचार के लिए सीडीएमए तकनीक विकसित करने और उसे व्यावसायिक रूप से अपनाने में अहम भूमिका निभाई।

शिक्षा में 460 मिलियन डॉलर का योगदान

जैकब्स ने करोड़ों के साथ शिक्षा और शोध को आगे बढ़ाने में भी बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी पत्नी जोन जैकब्स के साथ कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, सैन डिएगो को पांच दशकों में 460 मिलियन डॉलर से अधिक का दान दिया। इस योगदान से इंजीनियरिंग, मेडिकल शिक्षा, छात्रवृत्तियों और शोध कार्यक्रमों को समर्थन मिला। 1997 में उनके 15 मिलियन डॉलर के अनुदान के बाद विश्वविद्यालयों के इंजीनियरिंग स्कूल का नाम जैकब्स स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग रखा गया।

1994

में इरविन मार्क जैकब्स को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा देश का सर्वोच्च तकनीकी सम्मान 'नेशनल मेडल ऑफ टेक्नोलॉजी' मिला।

2025

में क्वालकॉम का वजस्त 44.3 अरब डॉलर रहा, जो कंपनी के चिप, लाइसेंसिंग और अन्य तकनीकी कारोबार से आया।

30

से अधिक देशों में क्वालकॉम के करीब 170 कार्यालय हैं। कंपनी ने 2025 में अपनी स्थापना के 40 साल पूरे किए।

आईपीएल 2027: गोवा में आयोजन की संभावना

दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में हो सकती है खिलाड़ियों के लिए मिनी निलामी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के लिए मिनी नीलामी का आयोजन 16 दिसंबर को गोवा में होने की संभावना है। हालांकि, टीम मालिकों और सीईओ को अभी तक ई-मेल के जरिए कोई औपचारिक सूचना नहीं भेजी गई है, लेकिन कई टीमों और ब्रॉडकास्ट से जुड़े सूत्रों ने पुष्टि की है कि नीलामी 16 दिसंबर को होगी की संभावना है। वह भी पता चला है कि शुरुआत में नीलामी 14 दिसंबर को कराने की चर्चा थी। सूत्रों ने कहा, हां, बीसीसीआई ने सभी 10 टीमों के प्रतिनिधियों को व्हाट्सएप पर एक संदेश भेजा है, जिसमें बताया गया है कि नीलामी 16 दिसंबर को होगी और उससे एक दिन पहले 15 दिसंबर को नीलामी से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। ये बस यह जानना चाहते थे कि सभी 10 टीमों से कितने लोग नीलामी में शामिल होंगे, ताकि होटल में उनके लिए जल्द से जल्द बुकिंग की जा सके।

पहली बार गोवा में होगी नीलामी

एक ओर 16 दिसंबर को आईपीएल 2027 की संभावित मिनी नीलामी है, तो दूसरी तरफ उसी दिन बंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा वनडे मैच भी खेला जाना है। सीरीज का पहला मैच 13 दिसंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होता है। इसका मतलब यह भी है कि गोवा पहली बार आईपीएल नीलामी की मेजबानी करेगा।



सभी 10 टीमों ने कसी कमर

इस मिनी नीलामी के जरिए सभी 10 फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटन्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स, पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सक्काइजर्स हैदराबाद अपनी टीमों में मीज्ड कमियों को दूर कर सकेंगी। यह प्रक्रिया नवंबर के मध्य में रिटेंशन और रिलीज की फिंडो बंद होने के बाद होगी। नवंबर के मध्य में, सभी 10 फ्रैंचाइजी को नीलामी से पहले बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों की अंतिम सूची सौंपनी होगी जिन्हें वे रिटेंशन कर रही हैं या रिलीज कर रही हैं। इसके बाद, बोर्ड उन खिलाड़ियों की सूची तैयार करेगा जिनकी नीलामी की जाएगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की सीरीज में बैंच पर बैठे रहे युवा खिलाड़ी

न्यूजीलैंड के साथ टी-20 सीरीज में भी वैभव को मौका दिए जाने पर सवाल!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। वह पूरी सीरीज में बैंच पर ही बैठे रहे। इस सीरीज के बाद भारत को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है और इसकी शुरुआत टी20 सीरीज से ही होगी। हालांकि, दौरे से पहले ही ऐसे संकेत मिल गए हैं कि वैभव वहां भी बैंच पर ही दिखेंगे। 15 साल के इस बल्लेबाज ने अपनी तुफानी बैटिंग से तर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। वह पूरे विश्व में चर्चा का विषय हैं। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वॉल्टर तक उनकी तारीफ कर चुके हैं, लेकिन टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में उनकी जगह नहीं बन रही है।

कप्तान बोले कभी- कभी इंतजार करना पड़ता है

भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेती गई टी20 सीरीज का आखिरी मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के कारण रद्द हो गया। इस मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने जो कहा है उससे लग रहा है कि न्यूजीलैंड में भी वैभव को मौका मिलना बहुत मुश्किल है। अय्यर ने कोच गौतम गंभीर की तरह ही वैभव को इंतजार करने की सलाह दी है। मैच के बाद जब अय्यर से वैभव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मैं उसके बस इतना कहना रहता हूँ कि तुम्हें तुम्हारे मौके मिलेंगे। अगर आज अपनी प्रशिक्षण की लेकर निरंतर रहोगे, दबाव नहीं लोगे और मौका मिलने के बारे में ज्यादा नहीं सोचोगे तो सच्चा आएगा। आपको कुछ देर इंतजार करना होगा। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं जो निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।'



अभिषेक-संजु हैं प्राथमिकता

अय्यर के बयान से साफ संकेत मिलता है कि ओपनर्स के तौर पर टीम की प्राथमिकता संजु समसन और अभिषेक शर्मा हैं। इस जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप से कमाल किया है और टीम को खिताब बचाने में मदद की थी। दोनों अपनी तुफानी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी दोनों का बल्ला चला था। इंग्लैंड दौरे पर जरूर संजु का बल्ला शांत रहा था तो दो मैचों में वैभव को मौका मिला था। इसके बाद संजु और अभिषेक के रहते एशियन गैम्स में वैभव टीम में खेले थे, लेकिन अब ऐसा होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। भारतीय टीम वैभव को बैंकअप ओपनर के तौर पर लेकर ही चल रही है।

अय्यर ने होप के प्रदर्शन की तारीफ की

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी करते, तो सीरीज का नतीजा अलग हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों और खासकर शाई होप की पूरी सीरीज में अच्छा खेलने का श्रेय दिया। अय्यर ने कहा, 'जहां श्रेय देना चाहिए, वहां देना चाहिए। उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। शाई होप ने पूरी सीरीज में जिस तरह बल्लेबाजी की, वह शानदार था।

होप बोले- हमारी टीम बेहद करीब थी

वेस्टइंडीज के कप्तान शायी होप ने कहा, 'हम सीरीज जीतने के बहुत करीब थे। ऐसा कुछ, जो हमने 20 से ज्यादा वर्षों में नहीं किया है।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से आगे बढ़ रहे हैं। सफलता का मतलब केवल सीरीज जीतना नहीं है।' होप ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर जिम्मेदारी उठाई।

बारिश से बेनतीजा रहा

5वां मैच भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां टी-20 बेनतीजा रहा। बंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश की वजह से 6:30 बजे होने वाला टीस डाई घंटे लेट 9 बजे हुआ।

विमेंस अंडर 17 फुटबॉल वर्ल्डकप का 10 वां एडिशन

फुटबाल: आज से मोरक्को में होगी खिताबी मुकाबले की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला फुटबॉल का सबसे बड़ा यु्ध टूर्नामेंट आज से शुरू हो रहा है। विमेंस अंडर 17 महिला वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन सनितार से मोरक्को में खेला जाएगा। 24 टीमों के बीच 22 दिनों तक खिताबी भिड़त होगी। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन उत्तर कोरिया लगातार तीसरी टूर्नाी जीतने उतरेगा। भारत इस एडिशन का हिस्सा नहीं है। टीम सिर्फ एक बार 2022 में खेली थी। इस स्टेरी में जातिफ कौन-सो टीम किस ग्रुप में है, टूर्नामेंट पहली बार कब खेला गया, कौन-सी टीम कितनी बार चैंपियन बनी और 2022 में भारत का प्रदर्शन क्या रहा था...

24 टीमों को 6 ग्रुप में बांटा गया

टूर्नामेंट में 24 टीमों को 6 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सीधे राउंड ऑफ 16 में जाएंगी। साथ ही सभी ग्रुप से मिलाकर बेस्ट 4 थर्ड-प्लेस टीमें भी अगले राउंड के लिए क्वालिफाई होंगी। सभी मैच रवात के मोहम्मद-6 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होंगे। वहीं ब्रॉन्ज और फाइनल प्रिंस मौले एल हसन स्टेडियम में खेला जाएगा।

2008 में शुरू हुआ सफर

विमेंस अंडर 17 महिला वर्ल्ड कप की शुरुआत 2008 में न्यूजीलैंड में हुई थी। तब से 2024 तक टूर्नामेंट हर 2 साल में होता था। 2025 से इसे सालाना कर दिया गया है। मोरक्को को 2025 से 2029 तक लगातार पांच एडिशन की मेजबानी दी गई है। यह फीफा के इतिहास में किसी एक देश को मिला ऐसा पहला अवसर है। पहले टूर्नामेंट 16 टीमों के साथ होता था, लेकिन 2025 से टीमों की संख्या बढ़ाकर 24 कर दी गई।



उत्तर कोरिया सबसे ज्यादा

4 बार चैंपियन बना

उत्तर कोरिया ने सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीता है। टीम 2008, 2016, 2024 और 2025 में चैंपियन बनी। टीम ने पिछले साल 2025 में नीदरलैंड को 3-0 से हराकर लगातार टूर्नाी जीताई। स्पेन ने भी 2018 और 2022 में 2 बार खिताब अपने नाम किया। साउथ कोरिया, फ्रांस और जापान ने एक-एक बार टूर्नाी उठाई है।

भारत क्रोस्ट नेशन के तौर पर 2022 में खेला

भारत ने 2022 में क्रोस्ट नेशन के रूप में अपना एकमात्र वर्ल्ड कप खेला। हालांकि टीम अपने तीनो ग्रुप मुक़ाबले खत गई। टीम को ग्रुप- में अमेरिका से 0-8, मोरक्को से 0-3 और ब्राजील से 0-5 से खार झेलनी पड़ी थी। टीम टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं कर सका, जबकि 16 गोल खाए।

भारतीय कप्तान गिल रणजी मैच में 1 रन बनाकर आउट

छतीसगढ़ के अजय मंडल ने बोल्ड किया; हर्षल पटेल के 250 फर्सट क्लास विकेट

□ एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय टीम के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल रणजी ट्रॉफी 2026-27 में अपने पहले मैच में एक रन पर आउट हो गए हैं। उन्हें रविवार को छतीसगढ़ के अजय मंडल ने बोल्ट कर दिया। चंडीगढ़ में चल रहे इस मैच में टॉस जीतकर बैटिंग कर रही पंजाब ने पहली पारी में 3 विकेट पर 89 रन बना लिए हैं। एक अन्य मुकाबले में गुजरात के हर्षल पटेल ने दिल्ली के 2 विकेट झटक लिए हैं। उनके फर्सट क्लास िकेट में 250 विकेट हो चुके हैं।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए रणजी खेल रहे हैं गिल

भारतीय कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड दौरे की तैयारी के लिए रणजी ट्रॉफी का मैच खेलने उतरे हैं। 2 दिन पहले जारी टीम में उन्हें टेस्ट और शुरुआती 3 वनडे मैच के लिए भारत का कप्तान बनाया गया है। टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से वेलिंग्टन में पहला टेस्ट मैच



खेलना है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल के फाइनल में पहुंचने के लिए अहम है।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती

गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 2 महीने पहले श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम की थी। कोलंबो में इस सीरीज का दूसरा मैच ड्रॉ रहा था। जबकि, पहले मुकाबले को टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था। श्रीलंका के खिलाफ गिल का प्रदर्शन

हर्षल पटेल के 250 फर्सट क्लास विकेट पूरे

गुजरात के तेज गेंदबाज हर्षल

पटेल ने दिल्ली के खिलाफ सनत सांगवान को आउट कर फर्सट क्लास िकेट में अपने 250 विकेट पूरे किए। इसके बाद उन्होंने यश दुल को भी पवेलियन भेजा। दूसरी ओर, दिल्ली के ओपनर प्रियांश आर्य ने 55 गेंदों में अपना दूसरा फर्सट क्लास अर्धशतक पूरा किया। दिल्ली ने 94 रन पर 2 विकेट गंवाए थे।

सौराष्ट्र के गेंदबाजों ने कर्नाटक को दिए शुरुआती झटके

जयदेव उनादकट और चेतन सकारिया की स्विंग गेंदबाजी के सामने कर्नाटक की टीम मुश्किल में नजर आई। टीम ने शुरुआती दौर में 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। रोहन पाटिल और विजयकुमार वैशाख आउट हुए, जबकि मयंक अग्रवाल और केवी अनीश नाबाद हैं। सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। रविवार को उनादकट का 35वां जन्मदिन भी है। तमिलनाडु के कप्तान आर साई किशोर ने उत्तराखंड के खिलाफ लंच से ठीक पहले भारत की अंडर-19 टीम के खिलाड़ी लक्ष्य रायचंदानी को 15 रन पर आउट किया।

श्रेयस बोले- वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलेगा

कहा- 2 मैच में बेहतर गेंदबाजी करते तो नतीजा अलग होता; सीरीज 2-2 से बराबर

□ एजेंसी नई दिल्ली

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा। उन्हें इसका इंतजार करना होगा।

बेंगलुरु में शनिवार को 5वें टी-20 मैच के बाद श्रेयस से वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं करने पर सवाल किया गया था। इस पर अय्यर ने कहा- 'मैं उससे यही कहता हूँ कि तुम्हें मौका मिलेगा। कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास 2 शानदार ओपनर हैं। वैभव के साथ हमारी बातचीत इसी बारे में होती रही है।' वैभव इस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला।

अय्यर ने होप के प्रदर्शन की तारीफ की

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी करते, तो सीरीज का नतीजा अलग हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों और खासकर शाई होप को पूरी सीरीज में अच्छा खेलने का श्रेय दिया। अय्यर ने कहा, %जहां श्रेय देना चाहिए, वहां देना चाहिए।



वेस्टइंडीज का भारत दौरा 2026

टी-20 सीरीज 2-2 से बराबर

टी-20	रिजल्ट	वेन्यू
पहला	भारत 8 विकेट से जीता	लखनऊ
दूसरा	वेस्टइंडीज 6 विकेट से जीता	रांची
तीसरा	भारत 14 रन से जीता	इंदौर
चौथा	वेस्टइंडीज 24 रन से जीता	हैदराबाद
पांचवां	बेनतीजा	बेंगलुरु

उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। शाई होप ने पूरी सीरीज में

जिस तरह बल्लेबाजी की, वह शानदार था।

शाई होप ने 4 मैचों में 261 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ

द मैच चुना गया।

शाई होप ने 4 मैचों में 261 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

होप बोले- हमारी टीम भारत में सीरीज के बेहद करीब थी वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा, 'हम सीरीज जीतने के बहुत करीब थे। ऐसा कुछ, जो हमने 20 से ज्यादा वर्षों में नहीं किया है।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से आगे बढ़ रहे हैं। सफलता का मतलब केवल सीरीज जीतना नहीं है।' होप ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर जिम्मेदारी उठाई।

बारिश से बेनतीजा रहा 5वां मैच

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां टी-20 बेनतीजा रहा। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश की वजह से 6:30 बजे होने वाला टीस डाई घंटे लेट 9 बजे हुआ। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मैच 9-9 ओवर का किया गया। भारत ने शनिवार को 7.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन बनाए। इसके बाद बारिश आ गई और आगे का मैच नहीं हो सका।

रांची के दुर्गा पूजा पंडाल में दिशुम वीर बाबू देवेन्द्र नाथ महतो की प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

हवा महल की तर्ज पर बना नामकुम का पूजा पंडाल दे रहा संस्कार और संघर्ष का संदेश, माता-पिता के सम्मान के साथ जनसेवा की झलक

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

कुजू (रामगढ़)। रामगढ़ जिले के कुजू ओपी अंतर्गत कजरू टोला उचकाहा (पिपरा), करमा में पारिवारिक विवाद को लेकर एक व्यक्ति की फरसा से वार कर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक की पहचान कजरू लाल महतो के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पत्नी सावित्री देवी के लिखित आवेदन पर पुलिस ने मृतक के बड़े भाई लाखन महतो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पत्नी ने बाहर निकलकर देखा, खून से लथपथ पड़े थे पति
मृतक की पत्नी सावित्री देवी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि वह घर में रोजमर्रा के



कामकाज और साफ-सफाई में जुटी थीं। इसी दौरान अचानक घर के बाहर चीखने-चिल्लाने और शोरगुल की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर वह बाहर निकलीं तो उनके पति कजरू लाल महतो खून से लथपथ जमीन पर गिर पड़े थे। उनके पास ही उनके जेट लाखन महतो, पिता स्वर्गीय अमरलाल महतो, हाथ में फरसा

लिए खड़े थे और भागने का प्रयास कर रहे थे। गंभीर रूप से घायल महतो पर फरसा से हमला कर ही मौत हो गई।
घरेलू विवाद के बाद वार करने का आरोप
ग्रामीणों और आरोपी लाखन महतो की बहु उर्मिला देवी (पति अर्जुन महतो) के अनुसार, लाखन महतो घर में विवाद करने



के बाद गुस्से में बाहर निकले थे। इसी दौरान उन्होंने बाहर मौजूद अपने छोटे भाई कजरू लाल महतो पर फरसा से हमला कर दिया। हमले में उनकी गर्दन पर गंभीर चोट आई, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक की बेटी श्वेता कुमारी ने भी चीख-पुकार सुनकर बाहर आने पर अपने पिता को खून से लथपथ हालत में देखा।

लेकर बड़े बेटे लाखन महतो के मन में लंबे समय से नाराजगी थी। हालांकि, हत्या के पीछे की वास्तविक वजह की पुलिस जांच के बाद ही पुष्टि हो सकेगी।
पुलिस ने शुरू की जांच
घटना के बाद करमा दक्षिणी पंचायत के मुखिया खगेश्वर महतो ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कुजू ओपी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। इस आई अभिनव कुमार मौके के पहुंचकर आवश्यक कार्रवाही कर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। वहीं, आरोपी लाखन महतो को गिरफ्तार कर खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी है।

समाचार सार

रावण दहन कार्यक्रम को लेकर अग्नि सुरक्षा तैयारियों का लिया जायजा



गया जी (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): रावण दहन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी ज्योति प्रकाश सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने शहर के विभिन्न संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने केदारनाथ मार्केट, कीवा स्थान, रुक्मिणी सरोवर, मां मंगलागौरी मंदिर के समीप स्थित सीता कुंड, मुफरिसल थाना क्षेत्र के रसलपुर तथा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के गांधी मैदान में अग्नि सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने, भीड़ नियंत्रण के प्रभावी इंतजाम करने तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधनों एवं कर्मियों को तैयार रखने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी आयोजनों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग पूरी तरह तैयार है। बिहार अग्निशमन सेवा, गया जी की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि वे अग्नि सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें और पर्व-त्योहार को शांति, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

सहजपुर के मातकोम बेड़ा गांव के फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन, साहेबगंज की टीम बनी चैंपियन



►विजेता टीम को दो लाख और उपविजेता को डेढ़ लाख रुपये का चेक देकर किया गया सम्मानित

जामताड़ा(रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। करमाटांड प्रखंड अंतर्गत सहजपुर मैदान में आदिवासी नवयुवक संघ समिति की ओर से आयोजित पेंतिहासिक मातकोम बेड़ा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 का भव्य समापन हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंची टीमों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में एफसी धरती बागान, साहेबगंज की टीम ने जीत दर्ज कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सारठ विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह एवं सामाजिक कार्यकर्ता बबलू खान शामिल हुए। दोनों अतिथियों के हाथों विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार राशि के चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान रामदेव मंडल, रंजीत मंडल, बालो मंडल, रामरतन मंडल, शिवनारायण मंडल और इमरान शेख सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया। समारोह में खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों का उत्साह देखने लायक रहा। आदिवासी नवयुवक संघ समिति की ओर से सहजपुर फुटबॉल मैदान में आयोजित इस चैंपियनशिप में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पहले सेमीफाइनल में जगन्नाथ टीम और आरबी-11 नया चौक के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें आरबी-11 नया चौक की टीम विजेता बनी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में एफसी धरती बागान, साहेबगंज और एफसी महगामा, गोड्डा के बीच मुकाबला हुआ। इसमें साहेबगंज की टीम ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में एफसी धरती बागान, साहेबगंज की टीम ने जीत हासिल कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई थी। फाइनल में विजेता बनी एफसी धरती बागान, साहेबगंज की टीम को दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। वहीं, उपविजेता टीम को डेढ़ लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा दोनों सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 40-40 हजार रुपये का चेक पुरस्कार स्वस्वर दिया गया। विजेता और उपविजेता टीमों को मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि राहुल सिंह एवं सामाजिक कार्यकर्ता बबलू खान के हाथों चेक प्रदान किए गए। इस तरह के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और युवाओं को सकरात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फुटबॉल प्रतियोगिता के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। आयोजन समिति ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, सहयोगियों और खेलप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दुर्गा पूजा को लेकर खलारी में पुलिस का फ्लैग मार्च, डीएसपी और इंस्पेक्टर ने संभाली कमान

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

खलारी: आगामी दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से खलारी पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी क्रम में आज खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी और खलारी इंस्पेक्टर रामकुमार वर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल ने क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील व प्रमुख इलाकों में फ्लैग मार्च किया। इन इलाकों में घूमा पुलिस बलफ्लैग मार्च खलारी थाना क्षेत्र के प्रमुख रिहायशी और बाजार वाले इलाकों से होकर गुजरा। पुलिस जवानों ने डाकरा, सुभाष नगर, चुरी और मोहन नगर सहित आसपास के



कई क्षेत्रों का दौरा किया। फ्लैग मार्च के जरिए आम जनता में सुरक्षा का भरोसा जगाया गया और त्योहार के दौरान शांति बनाए रखने का संदेश दिया गया।
असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी
इस दौरान डीएसपी रामनारायण

चौधरी ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। पंडालों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती रहेगी। सोशल

मीडिया पर भी पैनी नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी तरह की अफवाह न फैले।
अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील
इंस्पेक्टर रामकुमार वर्मा ने स्थानीय लोगों और पूजा समितियों से अपील की कि वे त्योहार को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस को दें। पुलिस प्रशासन 24 घंटे जनता की सुरक्षा के लिए तैनात है। फ्लैग मार्च में खलारी थाना के कई पुलिस पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सशस्त्र बल के जवान मौजूद रहे।

पश्चिमी टुंडी के शिबू आश्रम पोखरिया में हुआ रूपी सोरेन का श्राद्धकर्म व श्रद्धांजलि सभा

►मथुरा प्रसाद महतो, प्रशासनिक अधिकारियों और झामुमो नेताओं ने स्वर्गीय रूपी सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि।
►दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद सैकड़ों गणमान्य लोगों और शुभचिंतकों ने कार्यक्रम में शामिल होकर शोक-संतप्त परिवार के प्रति व्यक्त की संवेदना।

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले के टुंडी प्रखंड अंतर्गत पश्चिमी टुंडी के मनिगाडीह थाना क्षेत्र स्थित शिबू आश्रम, पोखरिया में झारखंड के मुख्यमंत्री की दिवंगत माता स्वर्गीय रूपी सोरेन का श्राद्धकर्म एवं प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। इस, गरिमामयी और श्रद्धांजलि कार्यक्रम में क्षेत्र के



जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में आमजनों ने पहुंचकर दिवंगत आत्मा को नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) विशाल कुमार पांडेय, अंचल अधिकारी

(सीओ) सुरेश प्रसाद वर्णवाल, टुंडी एवं पूर्वी टुंडी थाना प्रभारियों के साथ-साथ झामुमो नेताओं ने सर्वप्रथम आश्रम में स्थापित दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात सभी ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई स्वर्गीय रूपी सोरेन के चित्र पर

पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। श्रद्धांजलि सभा और श्राद्धकर्म सह भोज कार्यक्रम में राजनीतिक गलियारों से लेकर सामाजिक क्षेत्र के कई दिग्गज शामिल हुए। इस दौरान मुख्य रूप से झामुमो प्रखंड अध्यक्ष फूलचंद किस्कु, सचिव अब्दुल रसीद अंसारी, श्रवण टुडू, शहादत अंसारी, अजीमुद्दीन अंसारी, बसंत महतो, और शहजाद अंसारी सहित सैकड़ों की संख्या में चाहने वाले और ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत माता रूपी सोरेन के व्यक्तित्व को याद करते हुए उनके बलाय मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सादगी और सम्मान के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर के साथ-साथ दिवंगत के प्रति अपार आदर भाव देखने को मिला।

अनाथों का नाथ बनें, जरूरतमंदों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है : मथुरा प्रसाद महतो

महाअष्टमी पर खिली चेहरों की मुस्कान: पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय में टुंडी विधायक और पूर्वी टुंडी पुलिस ने बांटी खुशियां

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी के पावन अवसर पर धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र स्थित पोखरिया स्थित पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय में एक बेहद प्रेरणादायक, मानवीय और संवेदनशील पहल देखने को मिली। पर्व की खुशियों को बेसहारा बच्चों के आंगन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पूर्वी टुंडी थाना प्रशासन और जनप्रतिनिधि ने मिलकर एक मिसाल पेश की है झारखंड के मुख्यमंत्री की माता स्वर्गीय रूपी सोरेन के श्राद्धकर्म के उपरांत टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो की विशेष पहल और पूर्वी



टुंडी थाना के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री, नए वस्त्र और पौष्टिक भोजन का वितरण किया गया। विधायक और थाना प्रभारी के हाथों बांटी गई सामग्रियां कार्यक्रम के दौरान टुंडी विधायक

मथुरा प्रसाद महतो और पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने अपने हाथों से अनाथ बच्चों को स्कूल बैग, किताबें, कॉपियां, कलमों और नए वस्त्र प्रदान किए। इतने सारे उपहार एक साथ पाकर नौनिहालों के चेहरे खिल उठे और

अनाथालय परिसर में बच्चों की किलकारियों से एक अलग ही रौनक छा गई। राजनीति से ऊपर है मानवता की सेवा इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने तमाम राजनीतिक और औपचारिकताओं से परे हटकर एक सच्चे अभिभावक की तरह बच्चों के साथ काफी समय बिताया। उन्होंने उपस्थित लोगों और समर्थकों को प्रेरित करते हुए कहा-अनाथों का नाथ बनें, इन्हें भी माता-पिता के प्यार, दुलार और अपनाना की जरूरत है। पर्व-त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होती है, जब हम समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद बच्चों

के चेहरों पर मुस्कान लाने का माध्यम बनते हैं। जरूरतमंदों की सेवा करना ही दुनिया का सबसे बड़ा धर्म है। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी नीतीश कुमार की भी अहम भूमिका रही। थाना प्रभारी ने बच्चों से संवाद किया, उनका हौसला बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खाकी और खादी के इस संयुक्त और सकरात्मक प्रयास ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब समाज के जिम्मेदार लोग दिल से आगे आते हैं, तो त्योहारों का आनंद कई गुना बढ़ जाता है। इस मानवीय पहल की पूरे धनबाद जिले और क्षेत्र में भूरी-भूरी प्रशंसा हो रही है।

एसडीओ, एसडीपीओ और पूर्व आईजी ने फीता काटकर किया उद्घाटन, अतिथियों को चुनरी भेंट कर किया सम्मानित

डोरंडा में चार दिवसीय दुर्गा पूजा मेले का भव्य शुभारंभ

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

राजधनवार : धनवार प्रखंड क्षेत्र के डोरंडा स्थित शिव-गुगूं न्यास की ओर से आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव मेले का शुभारंभ रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठान के बीच विधिवत रूप से किया गया। खोरोमहुआ के अनुमंडल पदाधिकारी समीर रेनियर खलखा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, पूर्व आईजी सह भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह तथा प्लस टू वॉरेंट आयन उच्च विद्यालय के प्राचार्य विनोद प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मेले के उद्घाटन किया। उद्घाटन के साथ ही क्षेत्र में चार दिवसीय दुर्गा पूजा मेले की रौनक बढ़ गई। इस अवसर पर शिव-दुर्गा न्यास समिति की ओर से सभी अतिथियों को पारंपरिक चुनरी भेंट कर सम्मानित किया गया। मेले के उद्घाटन के बाद अधिकारियों ने मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र का जायजा लिया। दुर्गा पूजा के अवसर पर आयोजित इस मेले को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। मेले में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भागीदारी से उत्सवी वातावरण बना हुआ है। वहीं, पूर्व आईजी सह भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह उद्घाटन कार्यक्रम



के बाद चोइधंधा स्थित दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे। वहां उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र और राज्यवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू पांडेय, शिव-दुर्गा न्यास अध्यक्ष रामविलास सिंह, पूजा समिति अध्यक्ष रंजीत राय, सचिव नंदकिशोर राय, कोषाध्यक्ष अमित सिन्हा, मेला प्रभारी ओमप्रकाश मोदी, उदय शंकर अग्रवाल, सुजीत सिन्हा, सुरेंद्र मोदी, रामदेव सिंह, गंगाधर पांडेय, सुनील राय, संजय यादव, विकास पांडेय, रामकांत प्रसाद एवं मिथिलेश सिंह सहित पूजा समिति के सदस्य और क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।